

सु-विचार

" अपने पक्ष में सदैव ईमानदार दृष्टि निक्षेप को रखिए...
ये तुम्हें वहाँ भी जिताने के लिए तैयार नहीं होगी...!!
ईमानदारी और दृष्टि निक्षेप ही सबसे बड़ी ताकत हैं।
जब नित्य साफ़ हो तो रास्ते खुद बन जाते हैं...!!... अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-275

संपादक आलोक तिवारी

दुर्ग, शनिवार 24 अक्टूबर 2026

पृष्ठ 08

मूल्य - 2 रुपए

कागजों में 'मौत', गांव में जिंदा मिले ग्रामीण : 2-2 लाख के बीमा क्लेम में फर्जीवाड़ा, 59 बैंक खातों की जांच

ग्राम पंचायत भेलकी के आश्रित गांव बदनाचुआ के तीन ग्रामीणों के नाम कथित फर्जी क्लेम में सामने आए

नई दृष्टिबिंदु / कबीरधाम

मध्यप्रदेश में उजागर हुए प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के फर्जीवाड़े की जांच अब छत्तीसगढ़ के कबीरधाम तक पहुंच गई है। पंडरिया विकासखंड के अंतिम छोर पर एमपी सीमा से लगे ग्राम पंचायत भेलकी के आश्रित गांव बदनाचुआ के तीन ग्रामीणों के नाम कथित फर्जी क्लेम में सामने आए हैं। हैरानी की बात है कि दस्तावेजों में मृत बताए गए दो ग्रामीण बाबुलाल और गंगाधर मरावी अपने गांव में जीवित मिले हैं, जबकि तीसरे रामकुमार के परिवारों के अनुसार वह राजगार के लिए राबपुर गया है।



याने बुलाए जाने पर खुला राज

ग्रामीणों के अनुसार कुछ दिन पहले उन्हें कुकदूर थाने प्रस्ताव के लिए बुलाया गया था, तब उन्हें पता चला कि उनके नाम पर दो-दो लाख रुपये का बीमा क्लेम निकाला गया है। ग्रामीणों का दावा है कि उन्हें न तो बीमा कराए जाने की जानकारी थी और न ही उन्हें पता था कि कागजों में उन्हें मृत दिखाकर क्लेम लिया गया है।

MP में 482 क्लेम, 9.60 करोड़ की जांच

जांचकारी के अनुसार मध्यप्रदेश में

पीएमजेबीवाई के तहत 482 कथित फर्जी क्लेम जांच के दायरे में हैं, जिनमें करीब 9 करोड़ 60 लाख रुपये की राशि का उल्लेख है। इसी कड़ी में कबीरधाम के तीन नाम सामने आए हैं। भोपाल के अजाक थाने में अपराध क्रमांक 01/26 के तहत कूटरचित दस्तावेज तैयार कर बीमा क्लेम में घोषाधड़ी का मामला दर्ज है।

59 बैंक खातों के दस्तावेज खंगाले जा रहे

जांच में बैंक खातों की कड़ी भी सामने आई है। पुलिस दस्तावेजों के अनुसार ICICI बैंक की इंदौर स्थित पिम्पयाहाणा शाखा से 59 खातों के अकाउंट ओपनिंग फॉर्म, KYC और स्टेटमेंट लिए गए हैं। साथ ही पंजाब नेशनल बैंक की बोंगलूर

स्थित रामानगरम शाखा से भी दस्तावेज जुटाए गए हैं। पुलिस के अनुसार छत्तीसगढ़ से जुड़े तीन पालिसीधारकों के खातों की भी पड़ताल हो रही है। जांच के बाद स्पष्ट होगा कि खाते किन दस्तावेजों से खुले, संचालन कौन कर रहा था और क्लेम की राशि कहाँ गई।

कई सवाल अनसुलझे

यदि ग्रामीण जीवित हैं तो मृत्यु प्रमाण पत्र कैसे और कहाँ से बने? बीमा राशि जारी करने से पहले दस्तावेजों का सत्यापन किस स्तर पर हुआ? बैंक KYC में गड़बड़ी क्यों नहीं पकड़ी गई? और 2-2 लाख की राशि का वास्तविक लाभार्थी कौन है? पुलिस का कहना है कि इन सवालों के जवाब जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएंगे।

चार निकायों में 5.07 लाख मतदाता शुरूआती सूची में 3731 नाम बढ़े 30 तक दावा-आपत्ति का मौका

भिलाई में सबसे ज्यादा 3.38 लाख वोटर, रिसाली में 78,961 और भिलाई-चरोदा में 71,247 मतदाता दर्ज



भिलाई-चरोदा नगर निगम में 40 वार्ड और 103 मतदान केंद्र हैं। यहां 71,247 मतदाता दर्ज किए गए हैं। जामुन नगर पालिका के 20 वार्डों में 33 मतदान केंद्र हैं और मतदाताओं की कुल संख्या 19,412 है।

30 अक्टूबर तक दावा-आपत्ति जिले लोको का नाम सूची में नहीं है या नाम, पता व वार्ड से जुड़ी जानकारी में गलती है, वे निर्धारित समय में दावा-आपत्ति कर सकते हैं। इसकी अंतिम सूची में 3,731 मतदाता 2026 है। आवेदन और आपत्तियां 30 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे तक ली जाएंगी।

प्रारंभिक मतदाता सूची का प्रकाशन हो गया है। मतदाता निगम में जाकर सूची में अपना नाम देख सकते हैं। यदि नाम नहीं है तो जोड़ने के लिए आवेदन करना होगा, वरना वे निगम चुनाव में मतदान नहीं कर पाएंगे। खासकर वे लोग जिन्होंने हाल ही में पता बदला है या जिनका वार्ड बदला है, उन्हें सूची जरूर जांचनी चाहिए। जिनके परिवार के सदस्य का निधन हो गया है और उनका नाम सूची में है, तो नाम कटवाया जा सकता है। नाम, पता में मात्राओं की गलती भी सुधरवाई जा सकती है।

89 नशीली गोलियों के साथ दो गिरफ्तार

दुर्ग। वैशाली नगर थाना पुलिस ने दशहरा मेदान में नशीली गोलियों का अवैध कारोबार करते दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से अस्त्राजाल 0.5 एमजी की कुल 89 गोलियां और 5 हजार रुपये नकद जब किए गए। पुलिस को 22 अक्टूबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दशहरा मेदान क्षेत्र में दो व्यक्ति नशीली गोलियां बेच रहे हैं। सूचना पर देवादीह का विनोद तिवारी (45)। निवासी बाबुलनगर और अभिनव गंग उर्फ भावा (28) निवासी पहाड़ हाउस भिलाई को पकड़ा गया। तलाशी में विनोद से 59 गोलियां और 3 हजार रुपये और अभिनव से 30 गोलियां व 2 हजार रुपये मिले। मौके पर स्कूटी क्रमांक CG 07 CD 6542 भी मिली।

में भी मांझी की बेटी हूँ-राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, आदिवासी समाज की संस्कृति और परंपराओं से मेरा गहरा जुड़ाव

मुरिया दरबार में राष्ट्रपति ने आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक व्यवस्था की सराहना की

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-बस्तर

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने ऐतिहासिक बस्तर दशहरा के अंतर्गत आयोजित मुरिया दरबार में आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपरागत सामाजिक व्यवस्था और सामूहिक नियंत्रण प्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि आदिवासी समाज की परंपरागत व्यवस्था सामाजिक एकता, न्याय, आपसी सहयोग और सुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि समय के साथ शासन व्यवस्था, नीतियां और कानून बदलते रहते हैं, लेकिन आदिवासी समाज ने अपनी परंपराओं, सामाजिक नियमों और अखिलित संविधान को पीढ़ियों से जीवित रखा है। यह व्यवस्था समाज में सुख-शांति, प्रेम, सद्भाव और सामूहिकता बनाए रखने का महत्वपूर्ण आधार है।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने मुरिया दरबार में उपस्थित आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों और पारंपरिक प्रमुखों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी ने मुझे एक बार् फिर अपनी संस्कृति और परंपराओं से रूबरू होने का अवसर दिया है। इसके लिए मैं आप सभी की आभारी हूँ। उन्होंने कहा कि मैं भी इसी आदिवासी संस्कृति और परंपरा से आती हूँ। मेरे दादाजी मांझी थे, मेरे पिताजी भी मांझी थे और मेरे भाई भी मांझी हुआ करते थे। मैं एक मांझी को बेटी हूँ, माय के मुखिया को बेटी हूँ। उन्होंने कहा कि उनके परिवार के सदस्य आज भले ही उनके बीच नहीं हैं, लेकिन अपनी संस्कृति, सामाजिक व्यवस्था और परंपराओं के प्रति उनका जुड़ाव आज भी है।

आपसी संवाद और सहमति से विवादों का समाधान करने पर दिया जो राष्ट्रपति ने कहा कि आधुनिक न्यायिक व्यवस्था में समस्याओं के समाधान के लिए पुलिस, थाना और न्यायालयों का सहारा लिया जाता है। कई मामलों में न्याय प्राप्त करने की प्रक्रिया लंबी हो जाती है और इसमें समय तथा धन दोनों खर्च होते हैं।



उन्होंने कहा कि कुछ विवादों के समाधान में दस-बीस या तीस वर्ष तक लग जाते हैं। उन्होंने आग्रह किया कि जहां संभव हो और कानून के अनुरूप हो, वहां समाज के लोग आपसी बातचीत, सहमति और पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था के माध्यम से विवादों का समाधान करने का प्रयास करें। उन्होंने मुरिया दरबार की इस ऐतिहासिक परंपरा को बनाए रखने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की आवश्यकता बताई। राष्ट्रपति ने कहा कि वर्तमान लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका के अलग-अलग दायित्व हैं, जबकि आदिवासी समाज की पारंपरिक व्यवस्था में मांझी सामाजिक नेतृत्व, विवाद समाधान और सामुदायिक व्यवस्था से जुड़ी अनेक जिम्मेदारियां का निर्वहन करते हैं।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति में आध्यात्मिकता, सामूहिकता और प्रकृति के प्रति आस्था का विशेष स्थान है। गांवों में ग्राम देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की प्राचीन परंपरा रही है। समाज के लोग एकजुट होकर गांव की सुख-समृद्धि, खुशहाली, स्वास्थ्य और कल्याण को कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के पर्व-त्योहार

राष्ट्रपति मुर्मू छत्तीसगढ़ प्रवास के पश्चात रायपुर से हुई रवाना

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू आज अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के समापन पर स्वामी विवेकानंद विमानतल, रायपुर से रवाना हुईं। इस अवसर पर राजपाल रमेश डेका एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रपति को आभार व्यक्त किए। विमानतल पर मंत्रीगण, जनप्रतिनिधिगण तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित थे।



केवल धार्मिक आयोजन नहीं हैं, बल्कि सामाजिक एकता, आपसी सहयोग और संस्कृतिक पहचान को मजबूत करने के महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं। समाज के लोग सामूहिक रूप से नाचते-गाते हैं, उत्सव मनाते हैं और खुशियां बांटते हैं। यही सामूहिकता आदिवासी संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए

कहा कि अंग्रेजी शासन और राजाओं के समय आदिवासी समाज ने अपने अधिकारों, समान और अखिलत को रक्षा के लिए संघर्ष किया था।

मुरिया दरबार की परंपरा को जीवित रखने का किया आह्वान

राष्ट्रपति ने मुरिया दरबार जैसी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने

कहा कि समाज की पहचान उसकी संस्कृति, परंपराओं और सामूहिक मूल्यों से होती है। चाहे इन परंपराओं का उल्लेख सरकारी अभिलेखों में हो अथवा न हो, समाज के लोगों को अपनी सामाजिक संस्थाओं और सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की परंपरागत व्यवस्था में आपसी भाईचारा, प्रेम, सद्भाव, सामाजिक न्याय और सुशासन की भावना निहित है। इन मूल्यों को बनाए रखना वर्तमान और भावी पीढ़ियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। अपने संवोधन के अंत में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने बस्तर के आदिवासी समाज से मिले स्नेह, सम्मान और आभार व्यक्त के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आप सभी के बीच आकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई है। अपनी संस्कृति और परंपराओं के प्रति आपका समर्पण प्रेरणादायक है। इस दौरान राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, राजपाल रमेश डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को स्मृति चिह्न भेंट किया गया।

इस गौरवमयी अवसर पर बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष व सांसद महेश कश्यप, उपाध्यक्ष नलराम मांझी, फरसाल के मांझी अर्जुन मांझी, हमरागढ़ के मांझी शशिधरपुत्र मांझी और किलेवाल के गंगाधर मांझी ने भी अपने विचार व्यक्त कर बस्तर दशहरा एवं के ऐतिहासिक मुरिया दरबार में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति के प्रति कृतज्ञता प्रकट किया। इस दौरान बस्तर राज परिवार के सदस्य कामलचंद्र भंडेदेव, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, वाम मंत्री केदार कश्यप, कांग्रेस सांसद भोजराज नाथ, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव, महारथी संजय पाण्डे सहित मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भागत, कौशिकर नंदन सिंह, आठजी बीपीन मीणा, कलेक्टर आकाश छिकरा, एमपी शशधर सिन्हा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पारंपरिक मांझी-वालकों, मेयर-मेवनेन, नाटक-पाइड और बस्तर दशहरा समिति के सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सरकारी जमीन प्राइवेट एजेंसी को दे दी, आरोपी अफसरों को बचाने में जुटे अफसर और नेता

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर निगम भिलाई क्षेत्र की सरकारी जमीन को चुपके से प्राइवेट एजेंसी को दे दिया गया। निगम अफसरों ने पूरी योजना बनाकर बायो गैस प्लांट लगाने के नाम पर जमीन एजेंसी को सौंप दी, लेकिन इनके सूचना एमआईसी और सामान्य सभा तक को नहीं दी गई और न ही अनुमति भी ली गई।

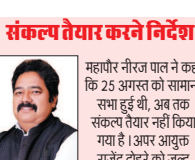
सामान्य सभा में पाण्डे पीयूष मिश्रा द्वारा सवाल उठाने और जानकारी मांगने पर मामले का खुलासा हुआ। अफसरों ने सदन में बताया कि 15 साल के लिए गौबर से गैस बनाने का प्लांट लगाने के लिए एजेंसी को जमीन दी गई है और अनुबंध भी कर लिया गया है। जबकि ऐसा करने का अधिकार निगम सभा तक को नहीं है। पाण्डे ने आपत्ति लगाया कि निजी लाभ के लिए अफसरों ने भारी आर्थिक अनियमितता की है, जो बड़ा आमनाश्रय है। इसलिए ऐसी कमी को खसलत कर शासन को कार्रवाई की प्रति भेजी जाए। पाण्डे की मांग पर सभापति गिरव बंदी साहू

ने आयुक्त सुरेश सिंह को दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई का आदेश दिया था। सामान्य सभा 25 अगस्त को हुई थी, 17 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक कार्रवाई तो दूर, सदन की कार्रवाई का संकेत तक तैयार नहीं किया गया है।

ये हैं बड़े जिम्मेदार अधिकारी
सूचों के अनुसार इस जमीन घोटाले में दो प्रमुख अधिकारी हैं। पहला प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली और दूसरा विभागे के इंजीनियर सुनील जैन। दोनों ने मिलकर पूरी योजना और प्रस्ताव तैयार किया है, इसलिए प्रथम दृष्टया इन्हें ही प्रमुख दोषी माना जा रहा है। हालांकि आयुक्त ने अब तक जांच कमेटी नहीं बनाई है, इसलिए जांच भी शुरू नहीं हो पाई है। निगम में चर्चा है कि इन्हें बचाने के लिए कुछ नेता और अधिकारी जुटे हैं और गत दिनों इन्हें लिए गुप्त बैठक भी हुई, जिसमें बीच का रास्ता निकालने की बात कही गई।

जातिवत्ता है मामला

कुरुद में गौबर से गैस बनाने का प्लांट लगाने के नाम पर प्राइवेट एजेंसी को निगम जमीन ने 55 डिसेमिलर यानी आधा एकड़ जमीन 15 साल के लिए दे दी और अनुबंध भी किया गया है। चौकाने वाली बात यह है कि नगर पालिका अधिनियम 1956 के तहत निगम को



संकल्प तैयार करने निर्देश
महापौर नीरज पाल ने कहा कि 25 अगस्त को सामान्य सभा हुई थी, अब तक संकल्प तैयार नहीं किया गया है। आप आयुक्त राजेंद्र दोहरे को जांच संकल्प तैयार कराने के निर्देश दिए हैं। जब सामान्य सभा ने यह निर्देश दिया कि दोषी अफसरों पर कार्रवाई कर शासन को भेजा जाए, तो अफसरों को आदेश का पालन करना चाहिए।

सरकारी जमीन इस तरह प्राइवेट एजेंसी को देने का अधिकार महापौर परियंत्र, सामान्य सभा और आयुक्त कर को नहीं है। यह अधिकार सिर्फ शासन को है, लेकिन अफसरों ने अधिकार से ऊपर जाकर यह काम कर दिया।

सूचों से भूमिपूजन तक हो गया
अफसरों ने जमीन एजेंसी को देने के बाद



जमीन दे देना गंभीर मामला
सभापति गिरव बंदी साहू ने कहा कि सरकारी जमीन दे देना गंभीर मामला है। सदन में फैसला हुआ है, जो भी दोषी अधिकारी है, चाहे कोई भी हो, उस पर कार्रवाई होगी। अब तक सदन की कार्यवाही का मिनट्स तैयार नहीं किया गया है।

एजेंसी ने चुपके से भूमिपूजन कर जमीन को चेरकर कब्जे में ले लिया और प्लांट लगाने का काम शुरू करने वाली थी। जबकि केंद्र सरकार की योजना के तहत कुरुद में ही दूसरा प्लांट लगाने के लिए प्रशासन ने जमीन का सरकारी मूल्य तय कर आवंटन किया था, लेकिन इस मामले में ऐसा नहीं किया गया।



अधिकार से लीगल ओपिनियन लिया जाएगा
आयुक्त सुरेश सिंह ने कहा कि प्रथम दृष्टया प्रक्रिया में त्रुटि दिखाई दे रही है। इस विषय पर अधिकांश से लीगल ओपिनियन लिया जाएगा, इसके बाद नोटिस व अन्य कार्रवाई की जाएगी।

सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

आपके विचार और थार से

नई उड़ान...

हमारे साथ आपकी कमी

YouTube

7.5K+ SUBSCRIBERS

7.2 MILLION+ VIEWS

Instagram

12K+ FOLLOWERS

CRORES+ VIEWS

Facebook

8K+ FOLLOWERS

MILLIONS+ VIEWS

आपका प्यार और सहयोग ही हमारी सबसे बड़ी पूजा है।

हमारे साथ SUBSCRIBE / FOLLOW

हमारे साथ SUBSCRIBE / FOLLOW

हमारे साथ SUBSCRIBE / FOLLOW

दुर्ग शहर में 294 आबकारी प्रकरणों में जब्त 33,920 बल्क लीटर मदिरा को किया गया नष्ट

वर्ष 2011 से पूर्व के मामलों में जब्त अनुपयोगी शराब का न्यायालयीन आदेश पर विधिवत नष्टीकरण, 11 थानों से संबंधित प्रकरण शामिल

नई दृष्टिविंदु / दुर्ग

जिला दुर्ग में वर्ष 2011 से पूर्व दर्ज आबकारी प्रकरणों में जब्त एवं लंबे समय से रखी ऐसी मदिरा, जो अब मानव उपभोग के योग्य नहीं रह गई थी, का न्यायालय एवं कलेक्टर के आदेशानुसार विधिवत नष्टीकरण किया गया। इस कार्रवाई के तहत 11 थानों से संबंधित कुल 294 आबकारी प्रकरणों में जम्ब 33,920.145 बल्क लीटर मदिरा का निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार निपटान किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार जिला दुर्ग के विभिन्न थानों में वर्ष 2011 से पूर्व दर्ज आबकारी मामलों में जम्ब मदिरा को नियमानुसार सुरक्षित रखा गया था। निर्धारित अवधि बीतने के बाद

मदिरा मानव उपभोग के योग्य नहीं रह गई थी। इसके मद्देनजर न्यायालय एवं जिलाधीश के आदेश के साथ पर्यावरण विभाग से आवश्यक अनुमति प्राप्त कर नष्टीकरण की कार्रवाई की गई।

मदिरा का नष्टीकरण थाना सुलेला के अंतर्गत निर्धारित स्थल पर मदिरा नष्टीकरण टीम की उपस्थिति में संपन्न कराया गया। इस दौरान आबकारी विभाग, राजस्व प्रशासन और पुलिस विभाग के अधिकारियों ने सहभागिता की। संबंधित विभागों के समन्वय से पूरी कार्रवाई निर्धारित नियमों एवं प्रक्रिया के अनुरूप की गई। जम्ब एवं अनुपयोगी मदिरा का नष्टीकरण न्यायालयीन आदेशों का पालन सुनिश्चित करने और लंबे समय से रखी शराब का नियमानुसार निपटान करने की दिशा में किया गया। इस कार्रवाई का उद्देश्य



अनुपयोगी मदिरा के अनधिकृत उपयोग से संभावना को समाप्त करना भी है।

नष्टीकरण की कार्रवाई में आबकारी विभाग की एडीओ सुधिया शर्मा, एसडीएम भिलाई नगर, नगर पुलिस अधीक्षक निशान पाठक तथा एसडीएम

उत्तम सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल रहे। पुलिस, आबकारी और प्रशासनिक अमले के समन्वय से निर्धारित प्रक्रिया के तहत मदिरा का नष्टीकरण कराया गया।

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है

कि अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन अथवा विक्री से संबंधित जानकारी पुलिस को दें। ऐसी गतिविधियों में सलित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कहा कि कानून का पालन सुनिश्चित करने और नागरिकों की सुरक्षा बनाए रखने के लिए अवैध गतिविधियों पर कार्रवाई जारी रहेगी।

जुआ खेलते 6 आरोपी पिपावर

दुर्ग। जिले में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना धमघा पुलिस ने ग्राम गाढाघाट में तालाब के किनारे जुआ खेलते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे एवं जुआ फंड से कुल 11,100 रुपये नगद सहित जुआ खेलने में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री जल्द की

गई है। सभी आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिबंध अधिनियम के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 12 अक्टूबर 2026 को थाना धमघा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम गाढाघाट स्थित तालाब के किनारे कुछ लोग रुपये-पैसे का दांव लगाकर ताश के पत्ती से जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। इस दौरान 52 पत्ती ताश और एलस्टीक लाइव की रोशनी में जुआ खेल रहे छह लोगों को पकड़ लिया गया। हालांकि, कुछ लोग अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने गवाहों की उपस्थिति में जुआ फंड और आरोपियों के पास से 11,100 रुपये नगद, ताश की 52 पत्ती, प्लास्टिक की दरी तथा एलस्टीक लाइव जल्द की। पकड़े गए सभी छह आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई है।

खास खबर

महापौर की निधि से बनेगा चबूतरा और शौचालय

नई दृष्टिविंदु / रिसाली-भिलाई



रिसाली महापौर शशि सिन्हा क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में भूमिपूजन की। उनकी निधि से आशीष नगर, पूरना एपरसपीसीएल, डुड्डेरा पूर्व व रूआबांघा में प्रवेश द्वार जीर्णोद्धार, चबूतरा और शौचालय निर्माण का काम होगा। उन्होंने चार वार्डों के लिए कुल 6 लाख 9 हजार की राशि स्वीकृत की है।

इस अवसर पर महापौर शशि सिन्हा ने नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि विकास निरंतर प्रक्रिया है। उनकी प्राथमिकता रही है कि आवश्यकता अनुसार कार्यों को कराना। उन्होंने कहा कि महापौर के रूप में शपथ लेते ही नागरिकों से रूबरू होकर समस्याओं को दूर करने का हर संभव प्रयास किया है। यही वजह है कि नागरिकों के मांग के अनुसार ही उन्होंने राशि स्वीकृत की। महापौर निधि से वार्ड 25 आशीष नगर में 1 लाख 44 हजार की लागत से प्रवेश द्वार जीर्णोद्धार कराया जाएगा। इस वार्ड वाइ 39 एपरसपीसीएल पूरना में और वार्ड 36 डुड्डेरा पूर्व में तबूतवा निर्माण के लिए 1.69, 1.69 को राशि स्वीकृत की है। महापौर शशि ने इसके अलावा वार्ड 2 रूआबांघा में शौचालय निर्माण के लिए 1 लाख 27 हजार की राशि स्वीकृत की है। भूमिजुन कार्यक्रम में महापौर परिषद के सदस्य मन्ता यादव, जमुना ठाकुर, सुहित धनकर, रंजीत देवुआ, पापद पार्वती महानंद, बिलेन्द्र चंद्रकार, विधायक प्रतिनिधि गोविंद साहू विशेष रूप से उपस्थित थे।

15 साल से बंद रास्ता होगा चालू, रिसाली नगर निगम ने हटाया अतिक्रमण

वार्ड 13 स्थित मुख्य उर्दाई मार्ग पर पिछले 15 वर्षों से अवैध रूप से दुकान बनाकर व्यवसाय करने वाले को नगर पालिक निगम रिसाली ने खदेड़ दिया। शुक्रवार को निगम के राजस्व निरीक्षण ने मौके पर पहुंच कर वैधकृती अधिभान चलाया। अधिभान के दौरान नुकसान में विरोध का सामना अवश्य करना पड़ा। बाद में नेवई पुलिस की मध्यस्थता में तीन दुकानों को खाली कराने के बाद निगम के अधिकारियों ने दुकान को ढहा दिया। इस कार्यवाही से 15 साल से बंद आम रास्ता अब खुल गया।

इस कार्यवाही से पहले निगम आयुक्त मौनिका चर्मा ने एक साल पूर्व अतिक्रमण कर व्यापार करने वाले व्यापारियों को स्वतः दुकान हटाने निर्देश दिए थे। कई बार कार्यालय बुलाकर व्यापारियों को समझावश भी थे। इसके बाद भी चिकन कान्नर, सेलुन संचालक व इलेक्ट्रिक दुकान के संचालक हठधर्मिता पर अड़े रहे। आयुक्त के निर्देश पर राजस्व विभाग प्रभारी धर्मेन्द्र मिश्रा दल बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने पहले दुकान से सामान बाहर निकालने मौका दिया। इसके बाद तीन दुकान को हटाया।

वार्ड 13 टंकी मरोदा के पार्श्व स्थित यादव व नागरिकों ने पिछले दो वर्षों से अवैधरूप मार्ग को शुरु कराने आयुक्त के समक्ष सापन सौंपा था। इसके बाद से निगम प्रशासन अवैधरूप मार्ग को शुरु कराने की पहले शुरु की थी। लगभग दर्जन भर से ज्यादा नोटिस भी व्यापारियों को दिया गया था। इसके बाद भी व्यापारी वैधरूप दुकान संचालित कर रहे थे। मैत्री गार्डन चौक से सीधे वार्ड 13 जाने नहर किनारे से आम रास्ता बना हुआ है। निगम इस मार्ग पर सीमेंटीकरण कार्य कराया है। अतिक्रमण की हड्डी से मार्ग अवैधरूप था और लगभग 50 मीटर सीमेंटीकरण कार्य पूर्ण करना बचा था। अतिक्रमण हटने से क्षेत्र के नागरिकों को कम दूरी तक कर वे सीधे मैत्री गार्डन चौक पहुंच सकते हैं।



शहर में जन सुरक्षा को लेकर भिलाई नगर निगम सख्त

पुराने और जर्जर भवनों पर लगातार हो रही ध्वस्तीकरण की कार्रवाई

नई दृष्टिविंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में जन सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पुराने एवं जर्जर भवनों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में निगम के जोन-03 क्षेत्र अंतर्गत पुराने एवं जर्जर भवन की जांच कर जेसीबी मशीन के माध्यम से उसे ध्वस्त किया गया। निगम की इस कार्रवाई का उद्देश्य जर्जर भवनों से होने वाली संभावित दुर्घटनाओं को रोकना तथा आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

शहर में कई पुराने भवन समय के साथ कमजोर एवं जर्जर स्थिति में पहुंच जाते हैं। ऐसे भवनों से किसी भी समय दुर्घटना, छत या अन्य हिस्से गिरने का खतरा बना रहता है। विशेषकर बारिश एवं ख़ाब मौसम के दौरान इनसे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। इसे ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा



ऐसे भवनों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पुराने

अभियान का हिस्सा है। निगम द्वारा जर्जर भवन को जेसीबी के माध्यम से ध्वस्त कर संभावित ख़तरे को दूर करने की दिशा में कार्रवाई की गई। नगर निगम की इस पहल से जन सुरक्षा के प्रति प्रशासन की गंभीरता सामने आती है। जर्जर भवनों को समय रहते हटाना आवश्यक है, ताकि किसी अप्रिय घटना या जन-धन की हानि की आशंका को कम किया जा सके। निगम द्वारा आवश्यकता के अनुसार ऐसे भवनों की जांच एवं कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी रखा जा रहा है। नगर निगम भिलाई का प्रयास है कि शहरवासियों की सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए और संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए समय रहते आवश्यक कदम उठाए जाएं। जर्जर भवनों के विरुद्ध की जा रही यह कार्रवाई इसी उद्देश्य की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा गौ रक्षा के लिए आगे आया भिलाई नगर निगम, नाली में फंसे बैल को सुरक्षित निकाला नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा गौ रक्षा एवं बेजुबान पशुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, मानवीय संवेदनशीलता के साथ सराहनीय पहल की गई। निगम क्षेत्र के जोन क्रमांक-03 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 35 में नाली में लंबे समय से फंसे होने के कारण बैल को बाहर निकालना चुनौतीपूर्ण हो गया था। स्थिति को देखते हुए नगर निगम की टीम ने जेसीबी मशीन को सहायता से नाली के हिस्से को होड़कर रास्ता बनाया और बैल को बाहर निकालने की कार्रवाई की। इस दौरान प्राथमिकता बेजुबान पशु को

सुरक्षित बाहर निकालने तथा उसे किसी प्रकार की गंभीरता मिलने पर बैल को बाहर निकालने के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई। नाली में लंबे समय से फंसे होने के कारण बैल को बाहर निकालना चुनौतीपूर्ण हो गया था। स्थिति को देखते हुए नगर निगम की टीम ने जेसीबी मशीन को सहायता से नाली के हिस्से को होड़कर रास्ता बनाया और बैल को बाहर निकालने की कार्रवाई की। इस दौरान प्राथमिकता बेजुबान पशु को सुरक्षित बाहर निकालने तथा उसे किसी प्रकार की गंभीरता मिलने पर बैल को बाहर निकालने के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई। नगर निगम की इस कार्रवाई से गौ रक्षा और पशु सुरक्षा के प्रति प्रशासन की संवेदनशीलता सामने आई है। बेजुबान पशु अपनी प्रशान्ती स्वयं व्यवह नहीं कर सकते, ऐसे में समय पर उनकी सहायता करना समाज और प्रशासन दोनों की जिम्मेदारी है। निगम को सशक्त और नाली तोड़कर बैल को बाहर निकालने के लिए की गई पहल इसी मानवीय दायित्व को दर्शाती है।

दुर्ग महापौर की अध्यक्षता में एमआईसी की बैठक, शहर विकास के प्रस्तावों पर हुई चर्चा

प्रमुख सड़कों पर पोल व प्रकाश व्यवस्था के लिए 1.95 करोड़ रुपये का प्रस्ताव शासन को भेजने पर विचार

नई दृष्टिविंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग में शहर के विकास और नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गुरुवार को महापौर श्रीमती अलका बाघमरा की अध्यक्षता में एमआईसी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में निगम आयुक्त लीना कोसम की उपस्थिति में शहर के विभिन्न विकास कार्यों, सड़क एवं नाला निर्माण, प्रकाश व्यवस्था, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तथा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिभा स्थापना एवं सौंदर्यीकरण सहित अनेक विषयों पर विभागीय चर्चा की गई। बैठक में प्रस्तुत प्रस्तावों पर विचार-विमर्श कर आवश्यक निर्णय एवं स्वीकृति की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई।

महापौर अलका बाघमरा द्वारा मांगी गई सात बिंदुओं की जानकारी संबंधित विभागों के अधिकारियों ने प्रस्तुत की। महापौर ने विकास कार्यों की प्रगति और प्रस्तावित योजनाओं की समीक्षा करते हुए शहर में मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने तथा जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने पर जोर दिया। निगम क्षेत्र की प्रमुख सड़कों पर विद्युत पोल स्थापित करने और प्रकाश व्यवस्था विकसित करने के प्रस्ताव पर विशेष रूप से चर्चा की गई। विद्युत विभाग द्वारा 15 वित्त आयोग मद के अंतर्गत इस कार्य के लिए 1 करोड़ 95 लाख 84 हजार 720 रुपये का प्राविकल्प प्रस्तुत किया गया। प्रस्तावित कार्यों के लिए आवश्यक प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त करने हेतु शासन को प्रस्ताव भेजने के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। इस कार्य के पूरा होने से शहर की प्रमुख सड़कों पर प्रकाश व्यवस्था बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री की घोषणा के परिपालन में संचालन विभाग द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिभा स्थापना एवं



सौंदर्यीकरण कार्य के लिए अयोध्याचरना मद से 50 लाख रुपये की प्राविधिक स्वीकृति प्रदान की गई है। बैठक में इस कार्य के लिए प्रस्तावित स्थल में परिवर्तन के विषय पर चर्चा हुई। प्रस्ताव के अनुसार वार्ड क्रमांक 18 में पुलिस चौकी के सामने स्थित चौक के पास प्रतिभा स्थापना एवं सौंदर्यीकरण कार्य कराया जाना प्रस्तावित है। वार्ड क्रमांक 52 स्थित बिम्लेश्वरी कॉलोनी में नाला निर्माण कार्य को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। 15 वित्त आयोग के अन्तर्गत ग्रांट मद के अंतर्गत इस कार्य के लिए आर्य कंस्ट्रक्शन को कायादेख जारी किया जा चुका है। वार्ड पाण्डे द्वारा दिए गए पत्र के आधार पर प्रस्तावित 44 फीट आधार के नाले के स्थान पर 22 फीट की नाली निर्माण की मांग रखी गई। इस संबंध में प्रस्ताव प्रस्तुत कर उस पर चर्चा की गई।

15 वित्त आयोग के नॉन मिलियन प्लस सिटी अन्तर्गत ग्रांट मद के अंतर्गत दो सीसी अप्रोच रोड निर्माण कार्य के स्थल परिवर्तन के प्रस्ताव भी रखे गए। इनमें गणपति विहार से मां कर्मचारी रोड-एचपी आवास तक सीसी अप्रोच

रोड निर्माण तथा वीरसी बस्ती से गणपति विहार तक सीसी अप्रोच रोड निर्माण कार्य शामिल है। इन कार्यों के प्रस्तावित स्थल वार्ड क्रमांक 53 से वार्ड क्रमांक 52 में परिवर्तित किए जाने के संबंध में विचार-विमर्श किया गया।

इसके अतिरिक्त 15 वित्त आयोग के अंतर्गत नॉन मिलियन प्लस सिटीज के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन मद में वर्ष 2025-26 तक अवैटिड राशि से संबंधित विषय भी बैठक के एजेंडे में शामिल रहा।

बैठक में एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्रकार, नरेंद्र बंजारे, शेखर चन्द्रकार, लीना दिनेश देवांगन, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, काशीराम कोरसे, नलेश अग्रवाल, मनीष पाटेल, लीलाधर पाटेल, शिव नायक, श्रीमती शशि साहू एवं श्रीमती हर्षिका सभ्य जैन उपस्थित रहे। इसके अलावा कार्यवाही अधिकृत विनीता मर्म, मोहम्मद सलीम सिद्दीकी, प्रकाश चंद थवानी, सहायक अभियंता वडाकर, पंकज साहू, दुर्गा गुप्ता, रेवामन मनु सहित निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी बैठक में शामिल हुए।

कलेक्टर, निगम आयुक्त और पुलिस अधीक्षक ने लिया निगम चुनाव की तैयारियों का जायजा

कल्याण कॉलेज में सामग्री वितरण-वापसी एवं स्ट्रांग रूम व्यवस्था का निरीक्षण

नई दृष्टिविंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई निर्वाचन 2026 की तैयारियों के तहत कल्याण कॉलेज, सेक्टर-7 भिलाई में निर्वाचन सामग्री के वितरण एवं वापसी की व्यवस्था तथा स्ट्रांग रूम तैयार करने की तैयारियों का निरीक्षण किया गया। कलेक्टर अभिजीत सिंह, पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, आयुक्त सुमेर सिंह, अपर कलेक्टर सिली थाँस, अनुविभागीय दंडाधिकारी सोनल देविंदर सहित निगम टीम की उपस्थिति में निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान निर्वाचन सामग्री के व्यवस्थित वितरण एवं वापसी, स्ट्रांग रूम के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं तथा निर्वाचन प्रक्रिया के सुचारु संचालन से संबंधित तैयारियों का जायजा लिया गया। अधिकारियों



ने स्थल पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का अवलोकन कर निर्वाचन कार्यों को व्यवस्थित एवं निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप संपन्न कराने के संबंध में दिशा-निर्देश दिए। नगर निगम निर्वाचन से संबंधित सभी व्यवस्थाओं को समय-समय में पूर्ण करने तथा निर्वाचन कार्यों के दौरान समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया गया, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न कराई जा सके।

गौ रक्षा के लिए आगे आया भिलाई नगर निगम, नाली में फंसे बैल को सुरक्षित निकाला

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा गौ रक्षा एवं बेजुबान पशुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, मानवीय संवेदनशीलता के साथ सराहनीय पहल की गई। निगम क्षेत्र के जोन क्रमांक-03 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 35 में



पिछले दो दिनों से एक बैल नाली में फंसा हुआ था। इसकी जानकारी मिलने पर बैल को बाहर निकालने के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई।

नाली में लंबे समय से फंसे होने के कारण बैल को बाहर निकालना चुनौतीपूर्ण हो गया था। स्थिति को देखते हुए नगर निगम की टीम ने जेसीबी मशीन को सहायता से नाली के हिस्से को होड़कर रास्ता बनाया और बैल को बाहर निकालने की कार्रवाई की। इस दौरान प्राथमिकता बेजुबान पशु को

सुरक्षित बाहर निकालने तथा उसे किसी प्रकार की गंभीरता मिलने पर बैल को बाहर निकालने के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई। नगर निगम की इस कार्रवाई से गौ रक्षा और पशु सुरक्षा के प्रति प्रशासन की संवेदनशीलता सामने आई है। बेजुबान पशु अपनी प्रशान्ती स्वयं व्यवह नहीं कर सकते, ऐसे में समय पर उनकी सहायता करना समाज और प्रशासन दोनों की जिम्मेदारी है। निगम को सशक्त और नाली तोड़कर बैल को बाहर निकालने के लिए की गई पहल इसी मानवीय दायित्व को दर्शाती है।

चंद्रा-मौर्या अंडरब्रिज में सुरक्षा की दृष्टि से आज और कल आवागमन रहेगा बाधित

नई दृष्टिविंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम, भिलाई द्वारा आम नागरिकों को सूचित किया जाता है कि चंद्रा-मौर्या अंडरब्रिज में डेन की जाली अचानक बाहर निकल जाने के कारण आवागमन करनेवाले वाहनो के दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका उत्पन्न हो गई है। उक्त स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए आम नागरिकों एवं वाहन चालकों को सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चंद्रा-मौर्या अंडरब्रिज में तत्काल प्रभाव से आवागमन बंद किया जाना आवश्यक हो गया है।

अतः 24 अक्टूबर 2026 से 25 अक्टूबर 2026 तक चंद्रा-मौर्या अंडरब्रिज में आवागमन बाधित रहेगा। इस अवधि में डेन की जाली



से संबंधित आवश्यक सुधार एवं संरचना कार्य कराया जाएगा, ताकि संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके तथा आवागमन सुरक्षित बनाया जा सके। उक्त अवधि में चंद्रा-मौर्या अंडरब्रिज में आवागमन करने वाले समस्त नागरिकों एवं वाहन चालकों से अनुरोध है कि वे असुविधा से बचने

हेतु वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करें तथा यातायात पुलिस द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं मार्ग परिवर्तन संबंधी व्यवस्था का पालन करें। नगर पालिक निगम, भिलाई द्वारा आम नागरिकों से अपील की जाती है कि वे जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उक्त अवधि में सहयोग प्रदान करें।

मंत्री-विधायकों में क्यों दिख रहा अज्ञात भय? स्मृति ईरानी के दौरे से पहले छा भाजपा में हलचल तेज

आलोक तिवारी / रायपुर

राजधानी रायपुर के सप्ताधारी खेमे में इन दिनों एक अजीब माहौल है। सप्ता की चमचमाती गाड़ियों में घूमने वाले मंत्रियों, सांसदों और विधायकों के चेहरों पर साफ तौर पर एक अनजाना दबाव पड़ा जा सकता है। कारण है भाजपा को नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी का 25 अक्टूबर से शुरू हो रहा दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास। इस दौर ने नेताओं और अफसरों को हल उड़ा दी है। प्रशासनिक और संगठनात्मक स्तर पर कसबे शिकंजे के बीच हर मंत्री और विधायक की दुबान पर एक ही सवाल है - क्या 'स्मृति राज' के आगाज के साथ ही कुछ बड़ा होने वाला है ?

न स्वागत का आर्डंबर, न पब्लिसिटी: सीधे दिल्ली से माँगा 'डिजिटल रिपोर्ट कार्ड'

स्मृति ईरानी के रायपुर की धरती पर कदम रखने से पहले ही दिल्ली से आए एक फरमान ने रात और संगठन के बड़े-बड़े हथारधियों के पसीने छुड़ा दिए हैं। प्रभारी की ओर से स्पष्ट निर्देश जारी किया गया है कि खास अंड्रे से लेकर राजधानी की सड़कों पर उनके स्वागत के लिए किसी भी प्रकार के



हॉर्डिंस, बैनर, पोस्टर या भय कट-आउट्स नहीं लगाए जाएंगे। स्वागत सिर्फ और सिर्फ यात्रा के झंडों से होगा।

बात सिर्फ कीआईपी कल्चर और आडंबर पर रोक तक सीमित नहीं रही। स्मृति ईरानी के दिल्ली स्थित कार्यालय से प्रदेश संगठन की एक अत्यंत गोपनीय और सख्त चिट्ठी भेजी गई है। इसमें राज्य सरकार के मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और प्रदेश पदाधिकारियों का 'डिजिटल ऑडिट' माँगा गया है। इस रिपोर्ट कार्ड की सबसे चौकाने वाली बात यह है कि इसमें नेताओं की 'व्यक्तिगत ब्रांडिंग', आत्मप्रशंसा वाली पोस्ट्स या निजी दौरों के प्रचार को पूरी तरह खारिज कर दिया गया है। हिसाब केवल इस बात का माँगा गया है कि कौन सा नेता केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जल्दा तक पहुँचाने में सोशल मीडिया और धरातल पर



किताब सक्रिय रहा है।

संघ प्रमुख की 'खामोश क्लास' और '360 डिग्री समीक्षा'

राजनीतिक हलचलों का यह सिलसिला केवल स्मृति ईरानी तक सीमित नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत भी दो दिनों तक बिलासपुर प्रवास पर रहे। संघ प्रमुख की इस मौजूदगी को सामान्य संगठनात्मक यात्रा माना जा रहा था, लेकिन अंदरखाने की खबर यह है कि संघ की ओर से सरकार, मंत्रियों के कामकाज, उनके व्यवहार और जनता के बीच उनकी वास्तविक छवि की एक गुप्त समीक्षा तैयार की गई है।

संघ की यह आंतरिक रिपोर्ट और स्मृति ईरानी का 'डिजिटल रिपोर्ट कार्ड' जब दोनों धरातलीय समीक्षाएं एक बिंदु पर मिलती हैं, तो साथ मंत्रिमंडल

में फेरबदल की सुगुणाहट तेज हो जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रदर्शन के मौकों पर पिछड़े वाले, सुस्त कार्यशैली वाले और संगठन से दूरी बनाकर चलने वाले 4 से 5 मंत्रियों को लाल बत्ती से हाथ धोना पड़ सकता है।

संगठनात्मक प्रभाव: 'व्यक्तिगत ब्रांडिंग' पर रोक और डिजिटल अकाउंटेंटिलिटी

छत्तीसगढ़ भाजपा में हाल के दिनों में हुए बड़े संगठनिक फेरबदल, जैसे कर्मवीर सिंह की बतौर प्रदेश संगठन महामंत्री नियुक्ति और नए प्रभावियों का आमगन, बड़े दशनातों है कि पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व किसी भी तरह की सुस्ती बंदीस्त करने के मूड में नहीं है। स्वागत के लिए हॉर्डिंस, बैनर और पोस्टरों पर रोक लगाने का निर्देश साफ मिला है कि पार्टी अब व्यक्तिगत चमक को राजनीति के बजाय सामूहिक कार्यपद्धति और अनुशासित कैडर बेस पर जोर दे रही है। मंत्रियों, सांसदों और विधायकों द्वारा सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार की रिपोर्ट दिल्ली माँगाए जाने और उसमें व्यक्तिगत पोस्टर को बाहर रखने से यह संदेश गया है कि अब नेताओं का मूल्यांकन केवल भाषणों से नहीं, बल्कि जमीन पर सरकारी योजनाओं को

जन्ता तक पहुँचाने और उनकी डिजिटल एक्टिविटीस के आधार पर होगा।

आखिर क्यों छाया है 'अज्ञात भय' ?

साथ सरकार के मंत्रियों और विधायकों में दिख रहा 'अज्ञात भय' बेवजह नहीं है। इसके पीछे तीन प्रमुख कारण हैं।

पहला कारण परफॉर्मेंस और डिलीवरी का सीधा दबाव है, जिसके तहत अब केवल राजनीतिक आभासंडल, बड़े भाषणों या गुटबाजी के दम पर कुर्सी सामान्य संभव नहीं दिख रहा और संगठन केवल ठोस नतीजों की भाषा समझ रहा है। दूसरा बड़ा कारण व्यक्तिगत ब्रांडिंग पर सर्जिकल स्ट्राइक है, जिसमें बड़े-बड़े बैनर लगाकर खुद को साबित करने के दौर को समाप्त कर दिया गया है ताकि नेता अपनी व्यक्तिगत पब्लिसिटी के पीछे छुप न सकें। तीसरा और सबसे बड़ा कारण गाज गिरने का निश्चित डर है, क्योंकि संगठन में नए और ऊर्जावान चेहरों की जगह देने के लिए अप्रभावी मंत्रियों की छुट्टी करने का मन हाईकमान बना चुका है।

राजनीतिक प्रभाव: सरकार और संगठन के बीच कड़ा तालमेल

इस दौर की टाईमिंग और संघ प्रमुख मोहन

भागवत के हालिया प्रवास के फीडबैक को बेचैनी जौड़ा जाए, तो स्पष्ट होता है कि शासन और संगठन के बीच कसावट लाई जा रही है। जिन मंत्रियों या जनप्रतिनिधियों का प्रदर्शन सुस्त रहा है, उनमें अपनी कुर्सी बचाने को लेकर बेचैनी दिखना स्वाभाविक है। कौर घुप, मोर्चों, सांसदों, विधायकों और पूर्व जनप्रतिनिधियों के हाथ होने वाली मेरुथन बैठकों से तय माना जा रहा है कि हाईकमान फैसला ले सकता है। खराब प्रदर्शन करने वाले मंत्रियों की छुट्टी और नए व ऊर्जावान चेहरों को आगे बढ़ाने के कयास राजनीतिक गलियारों में सबसे ज्यादा तेज हो गए हैं।

25 अक्टूबर के बाद दिखेगा 'बड़ा बदलाव' ?

छत्तीसगढ़ की राजनीति में इस समय को बेचैनी और गहमागहमी है, बड़े आने वाले तुलन से पहले की शांति जैसी है। 25 अक्टूबर को स्मृति ईरानी के रायपुर आगमन के साथ ही साथ सरकार के मंत्रियों का रिपोर्ट कार्ड तैयार हो चुका जाएगा। सप्ता का पारा चढ़ा हुआ है और यह तय माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में साथ मंत्रिमंडल और भाजपा संगठन में एक बड़ा और निर्णायक उलटफेर देखने को मिलेगा।

खास खबर

कैबिनेट मंत्री देवांगन ने कोरबा रेलवे स्टेशन से भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर किया खाना

नई दृष्टिविंदू / रायपुर-कोरबा



छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत बिलासपुर संगम के लगभग 850 श्रद्धालुओं की जमान्नाथ पुरी मंदिर, लितासरा जंक्शन और कोरबा मंदिर के दर्शन हेतु खाना किया गया। कोरबा रेलवे स्टेशन से भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन के माध्यम से प्रारंभ हुई इस यात्रा का शुभारंभ प्रदेश के वाणिज्य एवं उद्योग, वाणिज्यिक कर (आबकारी) एवं ग्राम मंत्री लखनलाल देवांगन ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर उन्होंने तीर्थयात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए उनकी सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की।

बुजुर्गों के तीर्थ दर्शन का सपना साकार कर रही मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में प्रारंभ की गई मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा का अवसर मिलता था। अतः पुनः मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस महत्वाकांक्षी योजना को प्रारंभ किया है। उन्होंने कहा कि इसी भाव से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय प्रदेश के बुजुर्गों को तीर्थ दर्शन का अवसर प्रदान कर उनका सम्मान और अभिनंदन कर रहे हैं। यह योजना बुजुर्गों के प्रति सम्मान, संवेदनशीलता और सेवा भाव का ज्वलंत उदाहरण है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार बुजुर्गों की आस्था, सम्मान और उनके तीर्थ दर्शन के सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

निजी कार्यक्रम छोड़ केल्हारी बस दुर्घटना के घायलों से मिलने पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल



रायपुर। केल्हारी बस दुर्घटना में घायल लोगों का हालचाल जानने स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने निजी कार्यक्रम स्थागित कर मनेन्द्रगढ़ स्थित सखिल अस्पताल पहुंचे। उन्होंने उपचारकर्ता मरीजों से भेंट कर उनका कुशलबख्त जाना और बेहतर उपचार का आश्वासन दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने चिकित्सकों से प्रत्येक घायल की स्वास्थ्य स्थिति एवं उपचार की जानकारी ली तथा समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में राज्य सरकार संवेदनशीलता और सेवा भाव के साथ कार्य कर रही है। संकट की इस घड़ी में सरकार दुर्घटना से प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देशित किया कि मरीजों के उपचार में किसी भी प्रकार की कमी न हो और उनकी स्वास्थ्य स्थिति की नियमित निगरानी की जाए। उल्लेखनीय है कि वल केल्हारी बस दुर्घटना में कई लोगों की मृत्यु हो गई थी और अनेक लोग घायल हुए थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने दुर्घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की थी।

खेल

मैच देखने पहुंचे हॉकी स्टेडियम, युराजग वाल्मीकि की हेट्रिक ने संस्कारधानी स्टाइडर्स को किया परास्त

उप मुख्यमंत्री साय ने की खिलवाड़ियों की हौसला अफजाई

नई दृष्टिविंदू / रायपुर

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का रोमांच फिर जकड़ रहा है। लीग के दूसरे दिन के दूसरे मैच में चक्रधर चौधरीयस ने संस्कारधानी स्टाइडर्स को 6-4 से मात दी। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साय भी इस मैच को देखने पहुंचे थे। उन्होंने दोनों टीमों के खिलाड़ियों की होशाला अफजाई की।

मैच की शुरुआत अग्रभूमि इंडिया प्लेजर एस.वी. सुनील के शानदार प्रदर्शन से हुई। जब चक्रधर चौधरीयस के लिए मैकें नाई आ रहे थे, तो उन्हें सच मिडफील्ड से एक पास की जरूरत थी। वहां से उन्होंने सचमिनेयस युराजग वाल्मीकि को एक सटीक पास दिया, जिन्होंने शॉट मारने की कोशिश की और फील्डर पर गोल कर दिया। टीक एक मिन्नत बाद, चक्रधर चौधरीयस ने एक और मौका बनाया जिससे गोल हो गया। अर्जुन यादव ने सकल के कंधे बाहर संस्कारधानी स्टाइडर्स के डिफेंडर से बाईं छिनकर गोलापोस्ट के सामने पास कर दी। कार्तिक यादव ने एक बड़ा डाइव लगाकर बड़त

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बस्तर दशहरा की अनुठी परंपराओं और जनजातीय संस्कृति की सराहना की

माओवाद से मुक्त बस्तर में अब नवनिर्माण और विकास की बारी - मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

नई दृष्टिविंदू / रायपुर-बस्तर

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु बस्तर को आस्था देवी माँ दंतेश्वरी की पारन भूमि जगदलपुर में आयोजित विश्वसिद्ध बस्तर दशहरा उत्सव में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने बस्तर दशहरा की विशिष्ट धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं की सराहना करते हुए इसे छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक गौरव, सामूहिक आस्था, सामाजिक समरसता और जनजातीय विरासत का जीवंत प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि लगभग 75 दिनों तक चलने वाला यह अनुदा उत्सव विभिन्न समुदायों को एक सूत्र में बांधने और पीढ़ियों से चली आ रही परंपराओं को संरक्षित रखने का उत्कृष्ट उदाहरण है।

राष्ट्रपति ने माँ दंतेश्वरी की नमन करते हुए कहा कि बस्तर दशहरा जैसे विश्वप्रसिद्ध उत्सव में शामिल होना उनके लिए विशेष प्रशन्नता का विषय है। इस उत्सव की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें विभिन्न जातों, समुदायों और समाज के सभी वर्गों को सामूहिक सहभागिता रहती है। रथ विमर्ग से लेकर रथ खींचने, पूजा-अर्चना और विभिन्न अष्टनामों तक प्रत्येक समुदाय अपनी परंपरागत जिम्मेदारी का निर्वहन करता है। यह दशहरा सहभागिता सामाजिक एकता, आपसी सहयोग और सांस्कृतिक निरंतरता का अमूल्य उपहार है।

राष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद की समस्या से मुक्ति और सुखशा एवं विकास के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलावों का



उल्लेख करते हुए केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद की रीढ़ा से मुक्त होकर यह क्षेत्र प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विवासा व्यक्त किया कि बस्तर के युवा और जनजातीय समुदाय के लोग प्रति प्रतिभा, प्रश्रय और सहभागिता से अपनी विकास यात्रा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। राज्यापाल रमन डेका ने बस्तर दशहरा और विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और लोकतांत्रिक मूल्य हमारी सभ्यता एवं संस्कारों में गहराई से रचे-बसे हैं। उन्होंने कहा कि सामूहिकता जनजातीय समाज की जीवन पद्धति का अभिन्न हिस्सा है। गांवों में सामाजिक गिरण मिल-बैठकर लिए जाते हैं। बड़ों की बात सुनना और प्रत्येक व्यक्ति की आवाज को सम्मान देना जनजातीय समाज

की सहज परंपरा रही है। राज्यापाल ने कहा कि बस्तर दशहरा अपनी भव्यता के साथ समाज के साथ लेकर चलने की सीख भी देता है। रथ के लिए लालड़ी लाने से लेकर उसके निर्माण और संचालन तक विभिन्न गांवों एवं समुदायों के लोग अपनी निष्ठाति जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं। राजशाही की समाप्ति के बाद भी यह परंपरा निरंतर जारी रही और जनजातीय संवाद के सशक्त मंच के रूप में विकसित हुई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का माँ दंतेश्वरी की पारन भूमि जगदलपुर में आयोजित बस्तर दशहरा उत्सव में स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी का बस्तर की धरती से गहरा जुड़ाव रहा है। इसी वर्ष फरवरी में उन्होंने बस्तर पंडुम का शुभारंभ किया था। इसके बाद बस्तर

पंडुम के विजेताओं की सम्मानित करने के साथ राष्ट्रपति भवन आभित्र कर उनका उत्साहवर्धन भी किया। आज बस्तर दशहरा में उनकी उपस्थिति से समस्त बस्तरवासियों का उत्साह बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुद्रिया दबाकर जनजातीय संस्कृति और लोकतांत्रिक परंपराओं की सुंदर अभिव्यक्ति है। लगभग 75 दिनों तक चलने वाला बस्तर दशहरा बस्तर की लोक संस्कृति का आदर्श है। इसकी रस्में जनजातीय समाज में निहित समतामूलक विचारों, सामूहिक सहभागिता और आपसी विश्वास को प्रदर्शित करती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जगदलपुर में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल प्रारंभ किया गया है। तथा गौदम में मेडिकल कॉलेज इसी शैक्षणिक सत्र से शुरू हो गया है। ओरछा और जगरगुडों में एजुकेशन सिक विक्टिड करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने

विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रपति के मार्गदर्शन और आशीर्वाद से बस्तर को देश का अग्रणी संभाग बनने तथा विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को पूरा करने के प्रयासों को नई मजबूती मिलेगी।

संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने माँ दंतेश्वरी, माँ मावली और बस्तर अंचल के समस्त प्राण देवी-देवताओं को नमन करते हुए राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि बस्तर दशहरा अपनी विशिष्ट, विशिष्ट परंपराओं, आस्था और व्यापक जनभागीदारी के कारण देश के अन्य उत्सवों से अलग पहचान रखता है। लगभग 75 दिनों तक चलने वाला यह पर्व केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि बस्तर की जीवंत सांस्कृतिक पहचान है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप, कृषि मंत्री राज विचारनोतम, शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, बस्तर सांसद एवं वरुण कश्यप सहित विभिन्न क्षेत्र के विधायक, कर्मचारी, सांसद और जगरगुडों में एजुकेशन सिक विक्टिड करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने

राष्ट्रपति मुर्मु ने माँ दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

नई दृष्टिविंदू / रायपुर-बस्तर

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने अपने बस्तर प्रवास के दौरान जगदलपुर स्थित बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी के मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति ने माँ दंतेश्वरी से देशवासियों की आस्था-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने मंदिर में माँ दंतेश्वरी के दर्शन किए और श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में राष्ट्रपति का परंपरागत ढंग से स्वागत किया गया।

इस अवसर पर राज्यापाल रमन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

ने माँ दंतेश्वरी के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-शांति, समृद्धि और निरंतर प्रगति की कामना की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी के प्रति अंचल के लोगों की अटूट श्रद्धा है। माँ दंतेश्वरी बस्तर की आस्था और लोकजीवन की अभिन्न हिस्सा हैं। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी का माँ दंतेश्वरी के दर्शन-पूजन के लिए आगमन बस्तर और पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का अवसर है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर अपनी अनुपम जनजातीय संस्कृति, प्राचीन परंपराओं और विशिष्ट जीवन मूल्यों के लिए देश-दुनिया में

अलग पहचान रखता है। वहां की परंपराओं में प्रकृति, आस्था और समाज के बीच गहरा संबंध दिखाई देता है। राष्ट्रपति जी के प्रवास से बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान और सम्मान मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि माँ दंतेश्वरी बस्तर अंचल की आराध्य देवी हैं। माँ दंतेश्वरी के प्रति बस्तरवासियों की गहरी आस्था है और उनकी आपसना क्षेत्र की धार्मिक-सांस्कृतिक परंपरा में निहित है। माँ दंतेश्वरी से जुड़ी आस्था बस्तर की सदियों पुरानी परंपराओं और यहां के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में गहराई से रची-बसी है।



निजी मेडिकल कॉलेजों की लूट पर लगातार लगाए सरकार - एसएफआई

नई दृष्टिविंदू / रायपुर

स्ट्रेंड्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) की रायपुर जिला समिति ने निजी मेडिकल कॉलेजों द्वारा छात्रों से की जा रही अवैध और भ्रमनापी फीस वसूली पर रोक लगाने की मांग की है। संगठन ने फीस विनियमक समिति को प्रभावित बनाने और निजी मेडिकल, नर्सिंग व फामेसी कॉलेजों की वसूल जाँच करारों को मांग शासन से की है।

एसएफआई के जिलाध्यक्ष गवर्धन, जिला सचिव हर्ष धिंग्राजी और उपाध्यक्ष अलिफा कर्नानी ने प्रेस वार्ता में कहा कि निजी मेडिकल कॉलेजों द्वारा हॉस्टल, मेस और ट्यूशन फीस के नाम पर भारी-भरकम वसूली की जा रही है। छात्रों को खुले लगाने का जवाब देना नहीं संभव है न रोक, फीस देनी ही पड़ेगी, चरना आंतरिक परीक्षा में फेल कर दिया जाएगा। एसएफआई ने बताया कि निजी कॉलेजों

के हॉस्टल की फीस डीर स्टार होटलों के बराबर है। रायपुर में ही रहने वाले छात्रों को भी सालाना 5 से साढ़े 5 लाख रुपये हॉस्टल फीस के नाम पर देने को मजबूर किया जा रहा है। यह स्तर आम हो रहा है और शासन मौन है, जिससे स्पष्ट है कि स्वास्थ्य शिक्षा के बड़े अधिकारियों की भी इसमें मिलापत है।

संगठन ने कहा कि ऐसी वसूली सिर्फ मेडिकल ही नहीं, नर्सिंग और फामेसी कॉलेजों में भी हो रही है। एसएफआई ने मांग की है कि अवैध वसूली पर तत्काल रोक लगाई जाए और जिन्हें हॉस्टल की जरूरत नहीं है, उन्हें राशि लौटाई जाए, अन्यथा एसएफआई आंदोलन करने में मजबूर होगा।

एसएफआई ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य शिक्षा संचालनकर्ता के भ्रष्ट अधिकारियों के बंध के बिना यह वसूली संभव नहीं है। संगठन जल्द ही राज्यपाल को ज्ञापन सौंपेगा और कार्यवाही नहीं होने पर चरणबद्ध आंदोलन करेगा।



संपादकीय

अमित शाह कुछ कहते हैं तो
यू ही नहीं कहते हैं

हर क्षेत्र में कुछ खास लोग होते हैं, वह खास इसलिए होते हैं कि उन्होंने कुछ ऐसा काम किया होता है जो दूसरे भी करते हैं लेकिन वेसे सफल नहीं होते हैं जैसे वह करते हैं। यानी काम का जिम्मा लिया तो सफलता तब होती है उनको कोई काम सीधा भी ऐसा जाता है जो दूसरे के बस का भी नहीं होता है। कठिन से कठिन काम जिसमें सफलता जरूरी होती है, ऐसा काम हर कोई कहा कर पाता है कुछ लोगों को तो कठिन काम सीधा ही इसलिए नहीं जाता है कि वह कठिन काम है, कुछ लोगों को इसलिए नहीं सीधा जाता है कि वह सफल नहीं होंगे। जैसे किसी राज्य में पार्टी चुनाव नहीं जीत सकती तो उनको काम सीधा जाता है कि तुमको इस राज्य में पार्टी को चुनाव जिताना है किसी राज्य में संगठन कमजोर है तो संगठन को मजबूत करने का काम सीधा जाता है। अमित शाह भाजपा के ऐसे ही नेता हैं, उनको जो काम भी सीधा गया है, वह उसमें सफल रहे हैं।

केंद्र में तीन लोकप्रिय चुनाव भाजपा जीतती आ रही है तो इसका बाड़ा बने नंद मोदी के अलावा किसी बिड़े नेता को दिया जा सकता है तो वह अमित शाह हैं। देश के ज्यादातर राज्यों में भाजपा को चुनाव जिताने का श्रेय भी पीएम मोदी के अलावा किसी को दिया जाता है तो अमित शाह को दिया जात है। माना जाता है कि वह किसी भी राज्य की जमीनी हकीकत से वह जितने वाकिए होते हैं कोई दूसरा नेता उतना कुशल नहीं होता है। वह चुनाव कैसे जीता जा सकता है, यह सबकुछ जानते हैं, चुनाव जीतने के लिए किस लेवल क्या किया जाना है, वह जानते हैं। किसी राज्य में गुटबाजी है और गुटबाजी के कारण पार्टी को नुकसान हो सकता है तो वह गुटबाजी को खत्म कर हर नेता का चुनाव जीतने के लिए कैसा उपयोग करना जानते हैं, वह पार्टी के कार्यकर्ता से लेकर बड़े नेताओं का सही उपयोग करना जानते हैं, इसलिए वह हर काम में खुद खुद मेहनत करते हैं और दूसरों को भी खूब मेहनत करने के लिए प्रेरित करते हैं। यही वजह है कि जहां भाजपा चौथे नंबर की पार्टी थी, उस यूपी में अमित शाह भाजपा को चुनाव जिताने पर एक नंबर की पार्टी बनाते हैं। आतंकवाद, नक्सलवाद समाप्त करना बहुत कठिन काम था, यह काम भी अमित शाह ने करके दिखाया और साबित किया है कि असंभव कुछ भी नहीं होता, काम करना आना चाहिए।

ओडिशा में दो दशक बाद भाजपा की सरकार बनी है तो इसका श्रेय भी मोदी के साथ अमित शाह को जाता है, पंचबल १५ साल बाद भाजपा की सरकार बनी है तो इसका श्रेय भी मोदी के साथ अमित शाह को जाता है। चुनाव में मोदी मैजिक को काम करता है लेकिन अमित शाह को भी इसका श्रेय जाता है इसलिए जिस किसी चुनाव में अमित शाह चुनाव के दौरान बता देते हैं कि भाजपा किसी सीटों पर जीत रही है तो कई लोगों को लगता है कि शाह यू ही लेकिन नेताओं व कार्यकर्ताओं का हीरोला बटने के लिए कह रहे हैं लेकिन जब चुनाव का रिजल्ट आता है तो बता चलता है अमित शाह ने तो कहा था वह सच भी कहा था अमित शाह पार्टी की जीत के बाद में बड़े विश्वास से इसलिए कह पाते हैं कि उनको मान्यता रहता है कि जीत के लिए जो कुछ किया जाना है, वह सब किया गया है, किया जा रहा है इसलिए जब अमित शाह यह कहते हैं कि भाजपा अगले तीस साल सत्ता में रहने वाली तो उनको मालूम है कि ऐसा होगा तो क्यों होगा।

गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी की विपत्तयमान यात्रा पर तंज करते हुए कहा कि कांग्रेस अगले तीन दशकों तक सत्ता से बाहर रहती तो यूं नहीं कहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली लौटने पर राहुल समझ लें कि अगले तीन सालों तक उनकी बारी नहीं आएगी। कांग्रेस पार्टी अगले तीन दशकों तक सत्ता से बाहर रहती है। लाहौर व बीजेपी पर जोट चोर का आरोप लगाने के लिए कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर भी निशाना साधा। उनको कहा कि विश्वी दल कई राज्यों में दशकों से सत्ता से बाहर रहे हैं। उन्होंने कहा विश्वी-प्रदशन करने से कुछ हासिल नहीं होता राहुल गांधी ने अमित शाह में बड़ा प्रश्नक यह है कि राहुल गांधी को जमीनी हकीकत का पता नहीं रहता है और अमित शाह को जमीनी हकीकत का पार्टी में फंसकर ज्यादा पता रहता है।

राहुल गांधी और अमित शाह में फंसक यह भी है कि अमित शाह जानते हैं कि पार्टी की जीत के लिए संगठन का जमीनी स्तर पर मजबूत होना जरूरी है और वह यह भी जानते हैं कि पार्टी संगठन को कैसे मजबूत किया जा सकता है और वह ऐसा कर चुके हैं जबकि राहुल गांधी ने चुनाव में कांग्रेस संगठन के तौर पर कमजोर होती गई है और चुनाव हारती जा रही है। ?राहुल गांधी मानते नहीं है कि पार्टी उदर के कारण और संगठन की कमजोरी के कारण चुनाव हार रही है। अमित शाह जानते हैं कि कांग्रेस के संगठन के तौर पर कमजोर रहने व राहुल के कांग्रेस के संसदीय रहते कांग्रेस केन्द्र का चुनाव तो तीस साल नहीं जीत सकती। यानी अमित शाह कांग्रेस नेताओं को बता रहे हैं, आगे कर रहे हैं कि कांग्रेस चोट चोट के कारण चुनाव नहीं हार रहे हैं, कांग्रेस के संगठन के कमजोर रहने, राहुल गांधी के अदृष्टदशी नेतृत्व के कारण कांग्रेस अगले तीस साल चुनाव नहीं जीत सकती।

राज्योत्सव-2026 : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की जनहित में एक मजबूत पहल

डॉ. ओम इंदरिया, सहायक जनसंपर्क अधिकारी, रायपुर

श्रीसंगम में सुरासन को सरल, पारदर्शी और जनसुलभ बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा सेवा सेतु को संचालन किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं के लिए कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने की परेशानी से मुक्ति दिलाना और सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं को आमजन की पहुंच में लाना है। डिजिटल तकनीक के माध्यम से शासन और जनता के बीच की दूरी कम करने वाली यह व्यवस्था नागरिक-केंद्रित प्रशासन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सेवा सेतु के माध्यम से प्रदेश में 38 विभागों की 939 सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन सेवाओं के संचालन के लिए 16 हजार 773 सेवा केंद्रों का नेटवर्क तैयार किया गया है। अब तक सेवा सेतु में ऑनलाइन प्रारूप 55 लाख 13 हजार 672 आवेदनों पर कार्यवाही जारी है। इस व्यवस्था से 21 हजार 582 अधिकारी-कर्मचारी ऑनबोर्ड होकर सेवाओं के संचालन में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। ये आंकड़े प्रदेश में डिजिटल माध्यम से नागरिक सेवाओं को व्यापक स्तर पर उपलब्ध कराने के प्रयासों

38 विभागों की 939
सेवाएं एक मंच पर



को दर्शाते हैं।

सेवा सेतु की प्रमुख विशेषता यह है कि नागरिकों को अनेक आवश्यक शासकीय सेवाओं के लिए एक ही मंच उपलब्ध कराया जा रहा है। आप, जाति और निवास प्रमाण पत्र, विवाह पंजीकरण तथा गुमराता लाइसेंस सहित विभिन्न सेवाओं के लिए इस व्यवस्था के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। इससे नागरिकों को अलग-अलग कार्यालयों में जाने की आवश्यकता कम होती है और आवेदन प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक बनती जा रही है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और दूरस्थ वनांचलों में रहने वाले नागरिकों के लिए यह व्यवस्था उपयोगी साबित हो सकती है, जहां छोटी-छोटी शासकीय प्रक्रियाओं के लिए भी लोगों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।

सेवा सेतु का उद्देश्य केवल ऑनलाइन आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि शासकीय सेवाओं के वितरण को अधिक विस्तृत और जवाबदेही बनाना भी है। डिजिटल प्रक्रिया के माध्यम से आवेदनों की स्थिति पर नजर रखने, संबंधित अधिकारियों तक आवेदन पहुंचाने और सेवाओं के क्रियान्वयन को व्यवस्थित करने में सहायता मिलती है। इससे प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाने और नागरिकों को समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में मजबूती मिलती है।

राज्य सरकार की यह पहल डिजिटल सुविधाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाने के साथ-साथ तकनीक के उपयोग को जनहित में जोड़ती है। सेवा केंद्रों के माध्यम से उन नागरिकों को आवेदन करने में सहायता मिल सकती है, जिन्हें ऑनलाइन प्रक्रियाओं की जानकारी या मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। इस प्रकार डिजिटल प्लेटफॉर्म और सेवा केंद्रों का समन्वय नागरिकों के लिए सरकारी सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार का प्रयास है कि सरकारी सेवाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। सेवा सेतु इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए शासन की प्रक्रियाओं को सरल बनाने, सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और प्रशासन की अधिक नागरिक-केंद्रित बनाने का माध्यम बन रहा है। सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, आवेदनों के समयबद्ध निराकरण और नागरिकों में डिजिटल सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने से इस पहल की उपयोगिता और अधिक मजबूत हो सकती है। इसका मूल उद्देश्य है कि सुरासन का लाभ प्रदेश के जन-जन तक पहुंचे और सरकारी सेवाओं को आम नागरिक के लिए सरल, सुलभ एवं पारदर्शी बनाया जा सके।

अंग्रेजी शिक्षा से बढ़ी 'घर' और 'स्कूल' की दूरी?

नई पीढ़ी को बौद्धिक प्रतंत्रता और सांस्कृतिक अलगाव से बचना जरूरी



संजय उवाच

प्रो. संजय द्विवेदी

संस्कृत और बिखरती पारिवारिक व्यवस्था, घटते होते हैं मूल्य, अपनी जड़ों से उखड़ती पीढ़ी वर्तमान की सबसे बड़ी चुनौतियाँ हैं। इनके बीच उपनिवेशवादी मानसिकता से प्रभावित शिक्षा व्यवस्था हमें अभी भी पकड़े हुए है। अंग्रेजी के जाजों के आदरवाद का भी अपनी शिक्षा व्यवस्था को हम उस संकटों से मुक्त नहीं करा पाएँ हैं, जो हमें हमारी लंबी दासता ने दिया थे। इस शिक्षा व्यवस्था के नाते 'डिडिया' से 'भारत' और हमारा प्रवास 'डिडिया' नहीं हो पा रहा है।

धर्मापल जी की किताब 'द व्यूरीकल ट्री' हमें जिस भारत के दर्शन कराती है, वहां प्रिय गांव में एक या अधिक स्कूल थे। ये हर तरह का ज्ञान और कोशल दे रहे थे। अंग्रेजी ने इस समूची भारतीय शिक्षा व्यवस्था का 'कैसे' ध्वंस किया? 'क्यों' किताब' यह जानना आवश्यक है। महात्मा गांधी के आर्थिक लेखन में इस क्षति-विश्लेष हो रहे भारत का दर्द दिखता है। अंग्रेजी शिक्षा ने हमें 'कमजोर और कम भारतीय' बनाया। साम्य भी अपनी जमीन और उसके मूल्यों के प्रति हिकारत और हीनता बोध पैदा करता। यह आत्मकथा 'एएसएस-ए-कमर्सेट' आज भी हमें जकड़े हुए है।

किताबों तक सिमटी शिक्षा

अंग्रेजी शिक्षा ने 'घर' और 'स्कूल' के बीच दूरी बनाई। इस पड़ाई ने हमें यह सिखाया कि स्कूल कोई ऊंचा जगह है और घर टीक नहीं है। इस हीनता में फंसकर हमने

अपनी संस्कारशाला 'परिवार' और उसके द्वारा दिए जा रहे मूल्यों को कमतर माना। बच्चों में नैतिक मूल्य, आदर और सामाजिक जिम्मेदारियाँ परिवार और समाज द्वारा सिखाई जाती थीं। यह जिम्मेदारी भी पूरी तरह स्कूलों पर डाल दी गई। इससे परिवारों की भूमिका गौण होती चली गई। शिक्षा मुख्य रूप से कितानों और चार दीवारों तक सीमित हो गई। फलतः बच्चे घर के पारंपरिक कामकाज, खेती, दस्तकारी और व्यावहारिक जीवन के अनुभवों से दूर होते गए। वे सभी काम पहले घर के माध्यम से स्वतः सीखते थे।

अंग्रेजी की नकल सिर्फ भाषा तक नहीं रही बल्कि वह हमारे जीवन में भी प्रवेश कर गई। खानपान, परिधान, दिनचर्या, कैलेंडर सब बदल गये। स्कूल जब बदलते हैं तो वह पूरा सांस्कृतिक परिवेश बदलने की क्षमता रखते हैं। यह हमें बिदुलता में होते हुए देखा। इंग्लिशिएड उस जमाने में भारत के गवर्नर जनरल रहे लॉर्ड विलियम बैंटिन ने कहा था, "पढ़ने के बाद वे हमारी नकल करने लगे हैं।"

क्या से क्या हो गए देखते-देखते

ऐसा देहा जहां सभ 'स्वधर्म' पर चलते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। अगर उस जमाने में घरों ताले नहीं हैं, चोरियाँ नहीं होती, लोग झूठ नहीं बोलते, ऊंच-नीच नहीं है तो खोए हुए वह समाज और उसकी शिक्षा भी रही होगी? अनेक विदेशी यात्रियों में भारत के बारे में अपने जो अनुभव दर्ज किए हैं। वे हैरान करने वाले हैं। अंग्रेजी ने अपनी



शिक्षा व्यवस्था से भारतीय समाज का मानस बदल दिया। नीतिजन समाज बदला, उसके मूल्यों में व्यापक बदलाव हुए। सरकार, पुलिस, कोर्ट-कचहरी, प्रशासन तंत्र का महत्व कम हो गया। हमारी स्वायत्तता और समाज केन्द्र व्यवस्थाएं टूट गईं। हम सरकार और सामने वाले को तरह खड़े हो गए। गांव उड़ने लगे। स्कूलों में उच्च शिक्षा के लिए उद्योग तबाह हो गए। पारिवारिक कोशल नष्ट हुआ। गैर-व्यवहार बढ़ती गई। अपनी जीजों से ही नफरत करने वाला समाज विकसित हुआ। अंग्रेजी शिक्षा ने भारत में नष्ट विरासत पैदा किए। अलीट और नान अलीट का बंटवारा, 'भारत' और 'डिडिया' को एक ढकल बना दिया। हम यह समझ ही नहीं पाए कि पांव छूने, नमस्कार करने और हाथ मिलाने में अंतर क्या है और श्रेष्ठ क्या है।

हर जानकारी नहीं है ज्ञान

हर जानकारी ज्ञान नहीं है। इस शिक्षा व्यवस्था ने ज्ञान के नाम पर ढेरों जानकारियों परसे दी। इनका जीवन संघर्षों में कोई उपयोग नहीं। हम 'मानने' को 'जानना' समझने लगे हैं। 'क्यों' का विचार हम में आता ही नहीं। अपनी जिज्ञासा व्यवस्था से हमने 1750 में दुनिया का 33 प्रतिशत उत्पादन और व्यापार सुनिश्चित किया था। अंग्रेजी और उसकी शिक्षा ने उसे कहीं का नहीं छोड़ा।

अपनी स्वायत्तता से अंग्रेजी समाज कैसे सरकारी प्रशासनिक तंत्र से चोपट हो जाता, भारत इसकी ही कहानी है। नई अंग्रेजी शिक्षा मुक्त नहीं करती थी। बांयती थी। सेवक बनाने पर जोर था। जबकि गुरुकुल पद्धति, स्थानीय हस्तशिल्प, कृषि ज्ञान और स्वदेशी विज्ञान हाशिए पर चले गए। आधुनिक शिक्षा ने पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को नष्ट कर दिया। ये प्रणालियाँ स्थानीय समाज की जड़ताओं के अनुकूल थीं। 'लोक' की उपस्था से ऐसा समाज खड़ा हुआ जो अपनी जड़ों से उखड़ा हुआ है। स्कूल आधुनिक और पश्चिमी मूल्यों को बढ़ावा देते रहे हैं, जबकि अधिकांश भारतीय घर पारंपरिक और सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़े होते हैं। इस वैचारिक अंतर के कारण घर और विद्यालय के परिवेश में टकराव प्रणाली ने अंग्रेजी को नीतियों को सही ठहराने वाला एक ऐसा वायू तैयार किया जो मानसिक रूप से उपनिवेशवादी सोच का समर्थन करने लगा। इनने देश की आर्थिक और बौद्धिक संसाधन को परते बर्बाद किया। जब तक हम अपनी माटी के ज्ञान और भाषा का सम्मान करने नहीं सीखेंगे, तब तक औपनिवेशिक छांव से पूरी तरह मुक्त होना असंभव है।

अंग्रेजी की लंबी छाया

भारत ने स्थानीय भाषाओं में अपना सब

कुछ विकसित किया था। अब अंग्रेजी थोप दी गई। वह सिर्फ भाषा की तरह नहीं 'कोशल' की तरह आता। इसे जनता वाले कमतर माने जाने लगे। शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी होने के कारण आम जनता के लिए उच्च शिक्षा और विज्ञान के दरवाजे बंद हो गए। रटने वाली शिक्षा को बढ़ावा मिला, जिससे मौलिक सोच, अनुसंधान और स्वतंत्र चिंतन पर विपरीत प्रभाव पड़ा। अंग्रेजी जानने वाले शिक्षित वर्ग और पारंपरिक शिक्षा वाले वाले या अशिक्षित आम जनमानस के बीच एक गहरी खाई बन गई। ऐसे में 'कोलोनियलिज्म' को 'डिडिया' करने के जैसे सचेतन प्रयास किए जाते थे, हमने कहा कि? आज भी इसकी छाया आपको सरकारी कामकाज में दिखेगी। शिक्षा मंत्रालय को मानव संसाधन मंत्रालय बनाया गया। फिर उसे शिक्षा मंत्रालय बनाया गया है। जबकि संस्कृति मंत्रालय को शिक्षा से अलग रखा गया है। क्या संस्कृति और शिक्षा एक-दूसरे के पूरक नहीं हैं? गुलामी के लंबे कालखंड में आक्रान्ता ने हमारे विश्वविद्यालयों को बार-बार लूट, नष्ट किया। अंग्रेजी ने जड़ों पर चोट की। मानसिक बदली। हीन भावना भी और हमारे अपने लोगों को हमारे विचार के विरुद्ध खड़ा कर दिया। इस संकट से आज भी हिंदुत्वान जुड़ा रहा है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम बौद्धिक गुलामी की बेड़ियों को तोड़ें, जो हमें अपनी ही माटी में पराया बनाती हैं। जब तक हमारी शिक्षा हमारी अपनी संस्कृति, भाषा और मौलिक चिंतन से नहीं जुड़ेगी, तब तक हम वास्तविक अर्थों में स्वतंत्र नहीं हो सकेंगे। उपनिवेशवाद के छोड़े अंधेरे को मिटाने और हम एक आत्मविश्वासी, स्वदेशी और सशक्त भारतीय समाज का निर्माण कर सकते हैं।

(लेखक माधवलाल चतुर्दशी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं। भारतीय जन संचार संस्थान-आईआईएसपी के महानिदेशक रहे हैं।)

विचार-स्वातंत्र्य: तर्क और प्रमाण की कसौटी पर



प्रो. (डॉ.) मनमोहन प्रकाश

मानव सभ्यता का इतिहास केवल उपलब्धियों और आविष्कारों का नहीं, बल्कि प्रश्नों, विचारों और सोच की निरंतर खोज का भी इतिहास है। अधिश्वास से विवेक, रुढ़ियों से सुधार और निरंकुशता से लोकतांत्रिक चेतना की यात्रा में विचार-स्वातंत्र्य की निर्णायक भूमिका रही है। इसका वास्तविक अर्थ केवल अपनी बात कहने की स्वतंत्रता नहीं, बल्कि स्वाधिन मान्यताओं पर प्रश्न उठाने, असहमति व्यक्त करने और प्रत्येक दावे को तर्क, प्रमाण तथा विवेक की कसौटी पर परखने का अवसर भी है।

भारतीय चिंतन परंपरा में प्रश्न, संवाद और शास्त्राध्य का समृद्ध इतिहास रहा है। न्याय दर्शन ने भाषा और तार्किक विवेचन को महत्व दिया, जबकि वैदिक, जैन और चार्वाक जैसे दर्शनों ने ज्ञान, सत्य और प्रकृतिक ज्ञान पर विविध दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। यानी प्रश्न के आधार पर किसी विचार को स्वीकार करने के बजाय उचित विवेकपूर्ण परीक्षण और नैतिक परिणामों पर ध्यान देने की शिक्षा देते हैं। संत कबीर ने भी धार्मिक आडंबर और बाहरी दिखावे की आलोचना करते हुए ज्ञान के साथ विवेक और आन्तरिक का महत्व रेखांकित किया। आधुनिक विज्ञान ने विचार-स्वातंत्र्य को प्रमाण-आधारित पद्धति प्रदान की। कोपरनिकस, गैलीलियो और न्यूटन के योगदान ने प्रकृतिक घटनाओं की समझ को नई दिशा दी। विज्ञान की प्रगति केवल शक्ति केवल स्थापित मान्यताओं को चुनौती देने में नहीं, बल्कि प्रश्न, परीक्षण और नए प्रमाणों के आधार पर अपने निष्कर्षों में संशोधन करने की नेतृत्वता में निहित है। यही वैज्ञानिक दृष्टिकोण अनुभवजन्य से अलग-जगह है। आज डिजिटल युग में, डिजिटल जैन-जी के सामने, सूचना की उपलब्धता के साथ उसकी सत्यता परखने

की चुनौती भी है। सामाजिक माध्यमों पर लोकप्रियता, भावनात्मक अपील या बार-बार प्रसारित होने से कोई दावा प्रमाणित नहीं हो जाता। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से निर्मित डीपफेक वीडियो, भ्रामक संदेश और संदर्भ विहीन सामग्री वास्तविकता का भ्रम पैदा कर सकती हैं। इसलिए किसी सूचना को साक्षात् करने से पहले उसके मूल स्रोत, तारीख और विश्वसनीयता की जांच तथा अन्य स्वतंत्र स्रोतों से पुष्टि आवश्यक है। सूचना पर संदेह करना उसका खंडन नहीं, बल्कि सत्यापन की पहली सीढ़ी है। तर्कशीलता का अर्थ केवल दूसरों के विचारों पर प्रश्न उठाना नहीं, बल्कि अपनी मान्यताओं और पूर्वाग्रहों की भी समीक्षा करना है। केवल अनुकूल तथ्यों की स्वीकार करना और विपरीत प्रमाणों को नकारना पुष्टि-पक्षपात है। असहमति शत्रुता नहीं और आलोचना अपमान नहीं है। स्वस्थ लोकतंत्र में विचारों की निष्पीड आलोचना के साथ व्यक्ति की गरिमा और दूसरों के अधिकारों का सम्मान भी आवश्यक है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51(क) में प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य बताया गया है कि वह वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद तथा ज्ञानाजन और सुधार की भावना का विकास करे। यह वैज्ञानिक अपेक्षा शिक्षा, सामाजिक व्यवहार और सांस्कृतिक संवाद जैसे सभी क्षेत्रों में प्रासंगिक है। परिवारों और शिक्षण संस्थानों को युवाओं में सही उत्तर दाव करने के साथ सही प्रश्न पूछने, प्रमाण पढ़ाने और मतभेदों के बीच संवाद करने की क्षमता भी विकसित करने चाहिए। विचार-स्वातंत्र्य का अर्थ प्रत्येक दावे को सत्य मान लेने की दृष्ट नहीं, बल्कि सत्य की खोज में उसे प्रमाणों के आधार पर परखने का अधिकार और दायित्व है। प्रसूद्ध समाज वह नहीं जहाँ सभी एक जैसी सोचें, बल्कि वह है जहाँ विविध विचारों को सुनने और तर्कपूर्ण विमर्श की स्वतंत्रता है। राष्ट्र की प्रगति के लिए प्रश्न ही संविचार होते हैं कि उसके नागरिक कितनी ईमानदारी से प्रश्न पूछते हैं, प्रमाणों का सम्मान करते हैं और आवश्यकता पड़ने पर अपने विचार बदलने का साहस दिखाते हैं।

शरद पूर्णिमा का सांस्कृतिक वैभव और आध्यात्मिक सन्देश



शरद ऋतु की निर्मल रात, आकाश में चाकला पूर्ण चंद्रमा और शरीर पर बिखरी चांदनी का सौंदर्य मन को सहज ही आकर्षित करता है। भारतीय संस्कृति में आश्विन मास की पूर्णिमा का विशेष धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। इसे शरद पूर्णिमा, कोजागरी पूर्णिमा और रास पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। वर्ष 2026 में यह पर्व 25 अक्टूबर, रविवार को मनाया जाएगा। दिल्ली में पूर्णिमा तिहार 25 अक्टूबर को सुबह 11:55 बजे आरंभ होकर 26 अक्टूबर को सुबह 9:41 बजे समाप्त होगी। चंद्रोदय लगभग शाम 6 बजे होगा। इस रात लक्ष्मी पूजन, दल आराधना और चांदनी में खीर रचने की परंपरा निर्भाई जाएगी।

शरद पूर्णिमा का संबंध प्रकृति की सुंदरा के साथ मनुष्य की आस्था और विश्वास से भी है। वर्षा ऋतु के बाद आकाश स्वच्छ होने लगता है। वातावरण में हल्की ठंडक और चांदनी की शीतलता एक विशेष अनुभूति उत्पन्न करती है। ऐसा लगता है, मानो प्रकृति स्वयं उत्सव मना रही हो। भारतीय लोकजीवन में चंद्रमा की शीतलता, सौंदर्य, प्रेम और मानसिक शांति का प्रतीक माना गया है। यही कारण है कि इस पूर्णिमा की रात को विशेष पुण्यकारी समझा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा अपनी 16 कलाओं से परिपूर्ण होता है और उसकी किरणों से अमृत बरसता है। इसी



विश्वास के आधार पर लोग दूध, चावल और चीनी से बनी खीर को रात में खुले आकाश के नीचे रखते हैं। प्रातःकाल इसे प्रसाद के रूप में गढ़न किया जाता है और परिवार के सदस्यों में बाँटा जाता है। यह परंपरा केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि परिवार के लोगों को एक साथ बैठने, बातचीत करने और उत्सव की खुशियों साझा करने का अवसर भी देती है। हालांकि, चंद्रकिरणों से खीर में अमृतमय रूप आने की धार्मिक धार्मिक विश्वास है, वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित नहीं है। इस पर्व का एक महत्वपूर्ण पक्ष माँ लक्ष्मी की आराधना है। कोजागरी शब्द का संबंध संस्कृत के प्रभू की जाति? अर्थात् कोजाग रास रहा है? से माना जाता है। मान्यता है कि इस रात माँ लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं और प्रसन्नता के मिलन की अनुभूति के रूप में देखा जाता है। जब के मंदिरों में इस अवसर पर विशेष

है। इसी कारण अनेक लोग रात्रि में लक्ष्मी पूजन करते हैं, दीप जलाते हैं और भजन-कीर्तन के माध्यम से अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हैं। दिल्ली में कोजागरी पूजा का निर्माण काल 25 अक्टूबर की रात 11:40 बजे से 26 अक्टूबर को मध्यरात्रि के बाद 12:31 बजे तक बताया गया है। अलग-अलग पंचांगों में गणना के अनुसार समय में थोड़ा अंतर हो सकता है। ब्रजभूमि में शरद पूर्णिमा को रास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक परंपरा के अनुसार, इसी मौसम पर भगवान श्रीकृष्ण ने वृंदावन में गोपियों के साथ महारास रचाया था। श्रीमद्भगवत महापुराण के दशम स्कंध में वर्णित रासलीला प्रेम, भक्ति और आध्यात्मिक सम्पन्न का अनुपम प्रतीक है। इस प्रसंग में प्रेम को केवल प्रसन्नता का अकण्ठ है, बल्कि आत्मा और परमात्मा के मिलन की अनुभूति के रूप में देखा जाता है। जब के मंदिरों में इस अवसर पर विशेष

पूजा, भजन और रासलीला के आयोजन होते हैं। शरद पूर्णिमा हमें यह भी संदेश देती है कि जीवन में बाहरी समृद्धि के त्याग मान की निर्मलता और संशोधन की धृष्टता भी आवश्यक है। चंद्रमा की शीतल रौशनी हमें संयम, शांति और संतुलन का पाठ सिखाती है। माँ लक्ष्मी की पूजा परिश्रम, सदाचार और समृद्धि की कामना से जुड़ती है, जबकि श्रीकृष्ण का महारास प्रेम और सम्पन्न का महत्व साधता है। आज जब मनुष्य भगवद्धृष्ट, तनाव और भौतिक इच्छाओं में उलझा हुआ है, तब ऐसे पर्व परिवार और समाज के साथ जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। शरद पूर्णिमा की चांदनी में छिपा संदेश यह है कि जीवन की वास्तविक सुंदरता धन-संपत्ति में ही नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, संतोष और आत्मीयता में भी बसती है। यही इस पर्व की शाश्वत सांस्कृतिक विरासत है।

नवंबर से शुरू होगी ई-बस सेवा, बिजली तार बिछाने और चार्जिंग पाइंट में लगेगा डेढ़ माह

दुर्ग जिले के लिए 50 ई-सिटी बसों की घोषणा, राज्योत्सव के अवसर पर नवंबर में शुरू करने का निर्देश है, जिसको लेकर पूरा प्रशासनिक अमला तैयारियों में जुटा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दुर्ग-भिलाई की सड़कों पर नवंबर माह से 20 इलेक्ट्रिक सिटी बसों से दौड़ने की तैयारी है। केंद्र सरकार ने दुर्ग जिले के लिए 50 ई-सिटी बसों की घोषणा की है, लेकिन पहली खेप में शासन की ओर से 20 बसें ही दी जाएंगी। इसे राज्योत्सव के अवसर पर नवंबर में शुरू करने का निर्देश है, जिसको लेकर पूरा प्रशासनिक अमला तैयारियों में जुटा है।

हालांकि बस संचालन के लिए अभी कई प्रमुख काम अग्र हैं, जिन्हें समय पर पूरा करना बड़ी चुनौती बना हुआ है। कांदेवरी नगर स्थित सिटी बस डिपो में शेड निर्माण, चार्जिंग पाइंट लगाने, बिजली लाइन बिछाने, ट्रांसफार्मर लगाने और सर्विसिंग सुविधाएं तैयार करने का काम बाकी है। इनमें सबसे बड़ी बाधा रेलवे लाइन के नीचे से बिजली

की लाइन निकालना है।

बिजली कंपनी का सब स्टेशन आवांथा में है, वहां से बस डिपो तक बिजली की लाइन बिछा दी गई है। बस डिपो में ट्रांसफार्मर और एक सब स्टेशन भी बनाया गया था, लेकिन पहले लगाए गए तीन ट्रांसफार्मरों की कॉपर कॉइल चोरी होने के बाद उन्हें हटा दिया गया है। सिर्फ बटायालिन के सामने से गुजरी रेलवे लाइन के नीचे से तार बिछाने का काम बचा है। इसके लिए रेलवे ने 23 सितंबर को 35.05 लाख रुपये जमा करने की हिमांश की थी, जो राशि शुक्रवार को जमा की गई है। राशि जमा होने के बाद रेलवे ने काम पूरा करने के लिए एक माह का समय मांगा है। जैसे ही लाइन बिछेगी, एक ट्रांसफार्मर लगाकर सिस्टम शुरू किया जाएगा।

90 प्रतिशत काम पूरा

सिटी बस डिपो का काम अंतिम चरण में है।



विभाग के अनुसार 90 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। अब सिर्फ फिनिशिंग वर्क बचा है, जिसमें भवन की पुताई, खिड़की-दरवाजे, नल कनेक्शन, सौंदर्यीकरण के लिए पीपे लगाना और गेट का रेनोवेशन शामिल है। करीब 6.73 करोड़ रुपये की लागत से बने इस डिपो में रोड, शेड, कार्यालय भवन, बिजली ऑफिस, बोर, बाउंड्रीवाल, पुराने भवन का नवीनीकरण, पाइप लाइन, ईटीपी और फायर सिस्टम तैयार कर लिए गए हैं।

चार्जिंग पाइंट बनाने में लगेगा डेढ़ माह

जो एजेंसी बसों का संचालन करेगी, वही एजेंसी चार्जिंग पाइंट बनाएगी। बसों की चार्जिंग में खड़े करने के लिए 11 मीटर चौड़ा और 150 फीट लंबा शेड बनाया जाएगा। इसमें 10 चार्जिंग पाइंट बनाए जाएंगे, एक पाइंट पर एक साथ दो बसें चार्ज हो

तैयारी जोरों से चल रही है

भिलाई निगम के जनसंपर्क अधिकारी तिलेश्वर साहू ने बताया कि दुर्ग-भिलाई में जल्द ही ई-सिटी बसें सेवा शुरू होंगी। शासन से जल्द ही 20 ई-सिटी बसें मिलेंगी, इसकी तैयारी जोरों पर चल रही है। बस डिपो का 90 प्रतिशत काम पूरा हो गया है।

संकेपी। बाद में जब बसों की संख्या बढ़ेगी तो चार्जिंग पाइंट भी बढ़ाए जाएंगे। इस काम में करीब एक से डेढ़ माह का समय लगेगा।

राशि जमा करने में हुई देरी

रेलवे लाइन के नीचे से तार बिछाने के लिए फंस जमा करने में देरी हुई, क्योंकि यह राशि शासन से आनी थी। अब राशि जमा होने के बाद काम में तेजी आने की उम्मीद है।

खास खबर

नेहरू आर्ट गैलरी में वन्यजीव छायाचित्र प्रदर्शनी का हुआ शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



सेल-भिलाई इयात संयंत्र के जनसंपर्क विभाग द्वारा संचालित नेहरू आर्ट गैलरी, इंदिरा प्लेस, सिविक सेंटर में छायाकार कमलेश कुमार वर्मा की तीन दिवसीय एकल वन्यजीव छायाचित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ बुधवार शाम को हुआ। मुख्य महाप्रबंधक (परियोजनाएं) अनुराग उपाध्याय ने दीप प्रज्वलित कर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में महाप्रबंधक प्रमारी (संपर्क, प्रशासन एवं जनसंपर्क) अमृत्यु प्रियदर्शी सहित संयंत्र के अधिकारी-कर्मचारी, भिलाई आर्ट्स क्लब के सदस्य, वरिष्ठ कलाकार और कला प्रेमी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि अनुराग उपाध्याय ने आगंतुक पुस्तिका में लिखा कि वन्यजीवों के प्राकृतिक परिवेश की कलात्मक अभिव्यक्ति प्रकृति की विविधता और सुंदरता को प्रभावशाली ढंग से दर्शाती है। इन कृतियों में छायाकार की सूक्ष्म दृष्टि, धैर्य और विषय के प्रति गहरी रुचि परिलक्षित होती है। प्रदर्शनी में पर्यक्रम-2 विभाग से संचालित बुधवार शाम 6 बजे का कार्यक्रम भी शामिल है। मुख्य महाप्रबंधक (परियोजनाएं) अनुराग उपाध्याय ने दीप प्रज्वलित कर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में महाप्रबंधक प्रमारी (संपर्क, प्रशासन एवं जनसंपर्क) अमृत्यु प्रियदर्शी सहित संयंत्र के अधिकारी-कर्मचारी, भिलाई आर्ट्स क्लब के सदस्य, वरिष्ठ कलाकार और कला प्रेमी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि शालेय जीवन से साहित्य और कला में रुचि रखने वाले कमलेश वर्मा की रचनाएं विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रही हैं। वे भिलाई इयात संयंत्र की पत्रिका 'लागत-संवैदन' के संपादक मंडल के सदस्य रहे हैं। उन्हें छत्तीसगढ़ शासन की इको टूरिज्म फोटो प्रतियोगिता 2002 में पुरस्कार और वीएसपी फोटो प्रतियोगिता 2009 में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हो चुका है।

सार्वजनिक स्थान पर तलवार लहराकर दहशत फैलाने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार, वैशाली नगर पुलिस की कार्रवाई

दुर्ग। थाना वैशाली नगर पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर थारदार तलवार लहराकर नागरिकों को डराने-धमकाने वाले 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 02 स्टील तलवारों एवं 03 मोबाइल फोन जब किए गए हैं। 123 अक्टूबर 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर दो व्यक्ति थारदार तलवार लेकर लोगों को डरा-धमका रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को पकड़ा।

आरोपी सुभान यादव उम्र 33 वर्ष निवासी सोंगम कोट कैम्प-01 और आरोपी नीरज कुमार सिंह उम्र 28 वर्ष निवासी कैम्प-01, 18 नंबर रोड प्रेमनगर को अलग-अलग स्थानों से पकड़ा गया। उनके विरुद्ध आरोप क्रमांक 390/2026 एवं 391/2026 धारा 25, 27 आरपी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। जब सामग्री में सुभान यादव से 01 स्टील तलवार कीमत 5000 रुपये एवं 01 मोबाइल फोन कीमत 1000 रुपये सहित 02 स्टील तलवार कीमत 4500 रुपये एवं 02 मोबाइल कीमत 60 हजार रुपये जब किया गया। कुल 02 तलवारों की अनुमानित कीमत 9500 रुपये है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेशा किया गया है।



बैठक

स्मृति नगर में चुनावी रणनीति और संगठन की तैयारियों पर हुआ मंथन, हर वार्ड में एक ही प्रयाशी के संकल्प के साथ चुनाव में उतरने की रणनीति

भिलाई निगम चुनाव की तैयारी में जुटी कांग्रेस, हर वार्ड में समिति बनाने पर जोर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई नगर निगम के आगामी चुनाव की लेकर कांग्रेस ने अपनी संगठनात्मक और रणनीतिक तैयारियों तेज कर दी हैं। शुक्रवार को स्मृति नगर स्थित विवेकानंद भवन में चुनावी रणनीति को लेकर महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें संगठन की बुध स्तर पर मजबूत करने और जमीनी कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर जोर दिया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि हर वार्ड में एक वार्ड समिति बनाई जाए, जिसमें सभी वार्ड के लोगों को शामिल किया जाए और उनकी सहमति से प्रत्याशी का चयन किया जाए। पूरा प्रयास हो कि हर वार्ड से एक ही नाम पर सहमति बने।

बैठक में एआईसीसी महासचिव एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, सोडब्ल्यूसी सदस्य एवं पूर्व गृह मंत्री ताम्रघ्नव साहू,



भिलाई नगर निगम चुनाव के पर्यवेक्षक एवं पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व विधायक धर्मेन्द्र साहू, पूर्व विधायक प्रतिभा चंद्राकर, भिलाई विधायक एवं एआईसीसी सचिव देवेंद्र यादव, सह-पर्यवेक्षक एवं प्रदेश कांग्रेस महामंत्री दीपक दुवे, महापौर नीरज पाल, निगम सभापति गिरधर वटी साहू, जिला कांग्रेस कमेटी भिलाई अध्यक्ष मुकेश

चंद्राकर सहित वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी, पाण्डे, पूर्व पाण्डे और सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैठक की शुरुआत वंदेमातरम से हुई। महापौर नीरज पाल ने स्वागत भाषण में कहा कि इस बार फिर भिलाई निगम में कांग्रेस का झंडा फहराना है। भिलाई की जीत का संदेश प्रदेश ही नहीं पूरे देश तक जाएगा। जिस वार्ड



से एक ही प्रत्याशी का नाम आएगा, उसे प्रदेश कांग्रेस कमेटी फाइनल कर देगी। भूपेश बघेल ने कहा कि यदि किसी वार्ड से दो-तीन नाम आते हैं तो पार्टी तब करेगी और उसे हर कार्यकर्ता को मानना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इस बार चुनाव आयोग ने एक ही एष्ट में वार्ड प्रत्याशी और महापौर दोनों का नाम रख दिया है, जिससे कन्यमंजुन

होगा। इस पर आपनित दर्ज होनी चाहिए और महापौर नीरज पाल को इसका कानूनी पक्ष देखने के लिए अधिकृत किया। पर्यवेक्षक धर्मेन्द्र साहू ने कहा कि भिलाई निगम चुनाव का भी महत्वपूर्ण है और परीक्षा की यद्दी है। हम पर्यवेक्षक नहीं, साथी और सहयोगी के रूप में कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे। हर वार्ड समिति में परंपरागत

कट्टर कांग्रेसियों को शामिल किया जाए। पूर्व गृहमंत्री ताम्रघ्नव साहू ने कहा कि भिलाई निगम चुनाव का प्रभाव 7 विधानसभाओं पर पड़ता है। तत्काल सेक्टर, वार्ड, बुध स्तर की बैठक की जाए। योग्य प्रत्याशी को ही टिकट मिले। पिछले चुनाव में जिन्होंने हारने का काम किया, उन्हें टिकट नहीं देना है। भले एक-दो वार्ड हार जाएं, लेकिन महापौर जिताना जरूरी है। प्रदेश महामंत्री दीपक दुवे ने कहा कि भाजपा सरकार वादविलाई कर रही है। हर विलाई की गंगा-जमुनी हजारी को बचाने की लड़ाई है। विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि भाजपा के सुशासन का बुधवार उतर चुका है, उदटी गिनती शुरू हो गई है। जीतने वाले कार्यकर्ता को ही टिकट मिले। संचालन जिला अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने किया तथा आभार पूर्व विधायक प्रतिभा चंद्राकर ने व्यक्त किया।

गुरुद्वारा बाबा बुढ़ा साहिब जी, कोहका में प्रकाश पर्व श्रद्धापूर्वक मनाया गया



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कोहका स्थित गुरुद्वारा बाबा बुढ़ा साहिब जी में धन-धन बाबा बुढ़ा साहिब जी का प्रकाश पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर गुरुद्वारा साहिब में श्रद्ध-कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में संत ने गुरु चरणों में शोभा नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरुवाणी की मधुर ध्वनि से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ सिख



जिला स्तरीय परामर्श दायी समिति की बैठक 27 को

दुर्ग। जिले में वित्तीय एवं बैंकिंग सेवाओं की समीक्षा के लिए आगामी मंगलवार, 27 अक्टूबर 2026 को शाम 5 बजे से कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय परामर्श दायी समिति की 195वीं बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर अभिजीत सिंह द्वारा की जाएगी। अग्रणी बैंक प्रबंधक संजय गौड़ ज्यौरी निदेशानुसार, सभी बैंकों के जिला बैंक समन्वयकों की इस बैठक में उपस्थिति अनिवार्य की गई है। पिछली बैठकों में कुछ समन्वयकों की गैर-मौजूदगी पर कलेक्टर एवं भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त की गई थी तथा अनुपस्थित अधिकारियों के निवेदक कार्यालयों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए थे।

डिग्री नहीं, संस्कार और चरित्र गढ़ेगा आर्ष आचार्य कुलम

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

संस्कारयुक्त शिक्षा, वैदिक जीवन-पद्धति और भारतीय संस्कृति के संरक्षण के उद्देश्य से प्रस्तावित आर्ष आचार्य कुलम की परिकल्पना को साकार करने सनान संस्कार समिति ने पहल शुरू की है।

कार्यक्रम संयोजक राजकुमार वर्मा के संयोजन में आचार्य डॉ. अजय आर्य के नेतृत्व में समिति के सदस्यों ने राजा खड्गसिंह जी से सौजन्य भेंट कर परियोजना की रूपरेखा से अवगत कराया। राजा खड्गसिंह ने पहल पर सकारात्मक दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए परियोजना का अध्ययन कर शीघ्र पुनः मिलने और यथासंभव सहयोग का आवाहन किया। उन्होंने कहा कि आज समाज को ऐसी

शिक्षा की आवश्यकता है जो बच्चों को कितानी जान और डिग्री के साथ अच्छे संस्कार, नैतिक मूल्य और चरित्र भी प्रदान करे। शिक्षा को उद्देश्य केवल रोजगार नहीं, बल्कि व्यक्ति को जीवन की सही दिशा देना और परिवार, समाज व राष्ट्र के प्रति दायित्वों का बोध कराना भी है। इस दृष्टि से गुरुकुलीय शिक्षा समाज के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकती है।

आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा कि गुरुकुल शिक्षा मानव निर्माण की प्रयोगशाला है। आधुनिक शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और नैतिकता का समन्वय आज की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि आर्ष आचार्य कुलम में आधुनिक विषयों के साथ वैदिक ज्ञान, योग, अनुशासित दिनचर्या, सेवा और चरित्र निर्माण को



प्राथमिकता दी जाएगी। परिसर में गौशाला, अग्रशाला, घुड़सवारी प्रशिक्षण, आयुर्वेद चिकित्सालय और खेल प्रशिक्षण जैसी सुविधाएं विकसित करने की योजना है।

कार्यक्रम संयोजक राजकुमार वर्मा ने कहा कि आज सुविधायुक्त विद्यालयों की कमी नहीं है, लेकिन शिक्षा के साथ संस्कार और जीवन-मूल्यों को केंद्र में रखने वाली व्यवस्था की जरूरत है। आर्ष आचार्य कुलम इसी आवश्यकता को पूरा करने की दिशा में सार्थक पहल है।

इस अवसर पर रामावतार, मनोहर, दुर्गोचन, अर्जुन, राम सुनि वागेश्वरी, नरेश पटेल, खोमेश राजपुत, गिरिश राजपुत, बालाराम पटेल सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

भिलाई-3 वरोदा निगम में लाटरी पद्धति से एएचपी आवास आबंटन

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई वरोदा कार्यालय सभाभार में 22 अक्टूबर को प्रधानमंत्री आवास योजना एएचपी आवास आबंटन में लाटरी प्रक्रिया से आवास आवंटित किया गया। बता दें कि निगम क्षेत्र में बने विक्टोरियन आवास 58 नग में से फिलहाल 46 लोगों को आवास प्रदान करने की प्रक्रिया पूर्ण की गयी है। शेष बचे रिक्त आवास भी शासन द्वारा निर्धारित की गयी गार्डइलाइन का पालन करते हुये अबंटेंट किया जाएगा। इस दौरान महापौर निर्मल कोसरे , सभापति कृष्णा चंद्राकर, कमिश्नर डी.एस.राजगुप्त, एएआईसी सदस्य मोहन साहू, ईक्वैस वार्ड पाण्डे शारदा लावेय मदनकर प्रधानमंत्री आवास योजना के नोडल अधिकारी आलोक पर्सनि, उपअध्यक्षा पुष्पेश रात्रे सहित अन्य उपस्थित रहे।

कटरीना कैफ की बॉडी शेमिंग पर भड़कीं सौंदर्या रजनीकांत



बॉलीवुड एक्ट्रेस कटरीना कैफ हाल ही में मा बनने के बाद पहली बार एक बड़े इवेंट में नजर आई थीं, जिसके बाद उन्हें लुक्स और वजन को लेकर काफी टोल किया गया। अब इस ऑलगाइन ट्रोलिंग पर सलमान खान सहित कई सेलेब्स कटरीना के सपोर्ट में सामने आए हैं। इसी बीच सुपरस्टार रजनीकांत की बेटी और फिलममेकर सौंदर्या रजनीकांत ने भी महिलाओं के शरीर में प्रेग्नेसी के बाद होने वाले बदलावों को लेकर टोलर्स को कराहा जवाब दिया है। कटरीना कैफ ने नवंबर 2025 में पति विक्की कोशल के साथ अपने बेटे विहान का स्वागत किया था। मा बनने के बाद से वह लाइमलाइट से काफी दूर थीं, लेकिन हाल ही में अंबानी परिवार के गणेश चतुर्थी सल्लेखन में उनकी तस्वीरें और वीडियो सामने आए। इसके बाद सोशल मीडिया पर उनके लुक को लेकर तरह-तरह के कमेंट होने लगे। इसी मामले पर बात करते हुए सौंदर्या रजनीकांत ने कहा कि बच्चे को जन्म देने के बाद महिला के शरीर में बदलाव होना बिल्कुल सामान्य है और ऐसे समय में महिला को टोल करने के बजाय उसका सम्मान किया जाना चाहिए।

बातचीत के दौरान सौंदर्या रजनीकांत ने कटरीना की ट्रोलिंग का जिक्र करते हुए महिलाओं के लिए सम्मान की बात कही। उन्होंने कहा, 'मेरे दो बच्चे हैं और यह आसान नहीं है। जब आपको उस प्रोसेस से गुजरना पड़ता है, तो आपका शरीर बदल जाता है और एक खास उम्र के बाद बच्चा होना और भी मुश्किल होता है। मेरा दूसरा बच्चा 35 साल की उम्र के बाद हुआ था। यह आसान नहीं है। आपको उस महिला को सम्मान देना चाहिए। क्योंकि जो एक महिला शारीरिक रूप से कर सकती है, उसके लिए आप पुरुषों को दोष नहीं दे सकते क्योंकि वे ऐसा नहीं कर सकते। यह बायोलॉजी का मामला है।'

हम पुरुष से नहीं पूछते कि तुम प्रेग्नेट क्यों नहीं होते?
सौंदर्या ने आगे कहा कि महिलाओं के शरीर में होने वाले बदलावों को लेकर उन्हें जज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'लेकिन आपको यह स्वीकार करना होगा कि एक महिला ऐसा करती है। हम पुरुष से यह नहीं पूछते कि तुम प्रेग्नेट क्यों नहीं होते? लेकिन जब हम उस दौर से गुजरते हैं, तो मुझे बहुत बुरा लगा जब वह सब हुआ। यह सही नहीं था। यह अच्छा व्यवहार नहीं था। महिलाएं बहुत कुछ सकती हैं, लेकिन महिला होना खास बात है।'

सौंदर्या खुद दो बच्चों की मां हैं
सौंदर्या रजनीकांत खुद भी दो बच्चों की मां हैं, उन्होंने 2010 में बिजनेसमैन अश्विन से शादी की थी। 2015 में उनके बेटे वेद का जन्म हुआ। इसके बाद 2016 में दोनों अलग हो गए और 2017 में उनका तलाक हो गया। साल 2019 में सौंदर्या ने बिजनेसमैन विशागन से दूसरी शादी की। 2022 में दोनों बेटे वीर के माता-पिता बने।

सलमान खान भी कर चुके हैं कटरीना का सपोर्ट

कटरीना के वजन को लेकर हुई ट्रोलिंग पर सलमान खान भी टोलर्स को फटकार लगा चुके हैं। उन्होंने सवाल किया था कि जब एक्ट्रेस हाल ही में मां बनी हैं, तो उनके वजन और लुक पर लोग कमेंट क्यों कर रहे हैं। सलमान ने कहा, 'प्रेग्नेट होने के बाद हर किसी का वजन बढ़ता है।'

गणेश चतुर्थी पर पहली बार दिखीं कटरीना

कटरीना कैफ को हाल ही में अंबानी परिवार के गणेश चतुर्थी सल्लेखन में देखा गया था। मा बनने के बाद यह उनकी उन चुनिंदा पब्लिक अपीयरेंस में से एक थी, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए। हालांकि, जहां कई फैस ने कटरीना के लुक की तारीफ की, वहीं कुछ यूजरों ने उनके बड़े हुए वजन को लेकर कमेंट किए। कुछ लोगों ने उनकी प्रेग्नेसी से पहले और बाद की तस्वीरों को शेयर करते हुए उनके लुक की तुलना भी की। सोशल मीडिया पर चल रही इस चर्चा पर अभी तक कटरीना कैफ या उनके पति विक्की कोशल की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं, सौंदर्या रजनीकांत और सलमान खान जैसे सितारों के कटरीना के सपोर्ट में बोलने के बाद एक बार फिर बॉडी-शेमिंग और महिलाओं के शरीर को लेकर सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग का मुद्दा चर्चा में आ गया है।



सनी कौशल और विशाल जेटवा के साथ नजर आएंगी बिपाशा बसु

बिपाशा बसु बिटिया देवी के जन्म के बाद से एक्टिंग से दूर हैं। मगर, उनके फैस के लिए खुशखबरी है। अभिनेत्री करीब छह साल बाद अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरने को तैयार हैं। वे हंसल मेहता की वेब सीरीज से जुड़ी हैं, जिसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है।

बिपाशा बसु मशहूर फिल्ममेकर हंसल मेहता की नई सीरीज में एक अहम रोल में नजर आएंगी। अभी तक इस शो के बारे में अधिक जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल, बस इतना पता चला है कि सनी कौशल और विशाल जेटवा भी इस शो में बिपाशा के साथ नजर आएंगे। सीरीज का नाम अभी तय नहीं है।

हंसल मेहता की इस अनटाइटल्ड सीरीज को कश्पा कपूर और राघव राज कक्कड़ ने लिखा है। इसे 'ऑलमाइंडी मोशन पिक्चर्स प्रोडक्शंस' के बैनर तले प्रभातीन सधू ने प्रोड्यूस किया है। इस प्रोजेक्ट की शूटिंग पहले ही शुरू हो चुकी है। यह शो प्राइम वीडियो पर आएगा। इसकी कहानी एक छोटे से, गुमनाम शहर की है, जो महाद्वीप की हेरोइन राजधानी बनने की कगार पर है। इसमें सनी कौशल एक ईमानदार पुलिस वाले का किरदार निभा रहे हैं, जो अपनी ईमानदारी और ईमानदारी को बचाव की कोशिश करते हुए सिस्टम के अंदर और बाहर की ताकतवर ताकतों से लड़ते हैं।

2020 में आई थी आखिरी वेब सीरीज इस सीरीज के लिए बिपाशा बसु अपनी बेटी देवी के जन्म के बाद लंबे ब्रेक के बाद एक्टिंग में वापसी कर रही हैं। मा बनने के बाद से अभिनेत्री ने अपनी बेटी की परवरिश पर ध्यान दिया और परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताया। हालांकि, वे फैशन शो और विज्ञापनों में नजर आती रही हैं। मगर, फैस अब उन्हें स्क्रीन पर एक्टिंग करते देख सकेंगे। अभिनय के मोर्चे पर बिपाशा को आखिरी बार क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'डेनरस' में देखा गया था, जो 2020 में रिलीज हुई। सिनेमार्थों में उनकी आखिरी रिलीज फिल्म 'अलोन' थी। यह फिल्म साल 2015 में रिलीज हुई थी।



बड़े कलाकार नए कलाकारों को कभी दबाते नहीं हैं बल्कि उन्हें आगे बढ़ाते हैं

अभिनेत्री सम्वेदना सुवालका फिल्म 'दुश्मन: द कन्वल्जन्' (दुश्मन 3) में विजय सालगांवकर की वकील एडवोकेट गायत्री मोहन के रोल में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने दुश्मन टीम की तारीफ करते हुए कहा कि बड़े कलाकार नए कलाकारों को कभी दबाते नहीं हैं बल्कि उन्हें आगे बढ़ाते हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में कहा, 'फिल्म में सभी कलाकारों के साथ काम करना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं था। फिल्म में इतने अच्छे कलाकार हैं कि जब हम उनके साथ खड़े होते हैं, तो हम और चमकने लगते हैं। मैं बस अपना काम कर रही थी और वे सभी मुझे उठा रहे थे।' अभिनेत्री से सवाल किया, 'आज, गुणवत्ता बनाम मात्रा के दबाव में, अभिनेताओं को अक्सर एक के बाद एक प्रोजेक्ट साइन करना पड़ता है। क्या आप प्रोजेक्ट चुनते समय चयनात्मक हैं या आपको लगता है कि आपको कोई मौका नहीं छोड़ना चाहिए?' अभिनेत्री ने इस सवाल के जवाब में कहा, 'कुछ मामलों में मैं सिलेक्टिव हूँ। अगर मुझे कोई अच्छा काम नहीं मिलता है, तो मैं सिर्फ फ्रेम में खड़े रहने

के लिए काम नहीं करती हूँ। अब जब मैंने इतना काम कर लिया है, तो मैं और भी अच्छे किरदार करना चाहती हूँ। लेकिन मैं अक्सर को नहीं छोड़ना चाहती हूँ। मैं अब बहुत काम करना चाहती हूँ। अभिनेत्री संवेदना सुवालका आगामी फिल्म 'गुरु' में जॉन अब्राहम के साथ नजर आएंगी। जॉन अब्राहम के साथ अपना अनुभव शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'फिल्म गुरु में हम साथ काम कर रहे हैं, जिससे गुरु दामगुप्ता ने निर्देशित किया है। इस फिल्म में जॉन हीरो वाली छवि दिखाने के बजाय अपनी बॉडी दिखा रहे हैं। मैं अभी-अभी काम से वापस आई हूँ और मुझे बहुत मजा आया।'

अभिनेत्री से एक और सवाल किया, 'क्या आपको लगता है कि इंडस्ट्री उन कलाकारों का कम इस्तेमाल कर रही है जो नृत्य कर सकते हैं, एक्शन कर सकते हैं और अभिनय के साथ-साथ शारीरिक प्रशिक्षण भी ले चुके हैं?'

अभिनेत्री सम्वेदना सुवालका ने कहा, 'नहीं, मुझे लगता है कि वास्तव में कई अभिनेताओं को अलग-अलग तरीकों से पहचाना जाता है। कुछ एक्शन हीरो के रूप में जाने जाते हैं, कुछ कॉमेडी के लिए जाने जाते हैं और कुछ ऑल-राउंडर के रूप में जाने जाते हैं। ऐसे में मैं ऐसा नहीं कहूंगी।

दुलकर सलमान ने ली 'आई एम गेम' के फ्लॉप होने की जिम्मेदारी

दुलकर सलमान की फिल्म 'आई एम गेम' को बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। 3 सितारों को रिलीज हुई इस फिल्म से काफी उम्मीदें थीं लेकिन इसका प्रदर्शन कमजोर रहा। अब दुलकर ने सार्वजनिक तौर पर प्रतिक्रिया दी है और बॉलीवुड प्रोड्यूसर इसकी जिम्मेदारी स्वीकार की है। दुलकर ने सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म पर दर्शकों का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि वह इस बात की सराहना करते हैं कि लोगों ने फिल्म को लेकर अपनी राय साझा की। उन्होंने आलोचनाओं को भी स्वीकार किया। साथ ही यह भी कहा कि वह लगातार अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश कर रहे हैं।



इशिता की मां का रोल निभाने पर बोलीं श्रिया

अभिनेत्री श्रिया सरन इन दिनों 'दुश्मन: द कन्वल्जन्' की सफलता से खुश हैं। अभिनेक पाठक के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अभिनेत्री ने निर्दिनी सलगांवकर का किरदार निभाया है। 'दुश्मन' फ्रेंचाइजी की शुरुआत से ही श्रिया, इशिता दाता की मां के रोल में नजर आई हैं, जो उससे 8 साल छोटी हैं। इशिता ने अंजु सलगांवकर का किरदार निभाया है। इस फिल्म का तीसरा पार्ट अभी सिनेमार्थों में चल रहा है। श्रिया ने इशिता की मां का रोल निभाने के बारे में बात की है।

उम्र पर क्या बोलीं श्रिया
बातचीत में श्रिया ने 'दुश्मन' फ्रेंचाइजी में इशिता की मां का रोल निभाने पर अपने विचार रखे। श्रिया सरन की उम्र 44 साल है। वहीं इशिता की उम्र 36 साल है। अभिनेत्री ने कहा, 'हां, मतलब, यह बात अजीब लगती है। मैंने इस बारे में सोचा भी था। मुझे लगा कि यह कैसे मेल खाता है? मगर कहानी इतनी असरदार है कि आप इन सब चीजों के बारे में सोचते ही नहीं हैं।'

श्रिया ने की मेकर्स की तारीफ
अभिनेत्री ने माना कि फिल्म इंडस्ट्री में महिला कलाकारों को अक्सर एक ही तरह के रोल में

बांध दिया जाता है। हालांकि, उन्होंने 'दुश्मन' के मेकर्स की तारीफ की कि उन्होंने उम्र के अंतर को सही ढंग से दिखाया है। श्रिया ने बताया कि फ्रेंचाइजी में इशिता का किरदार 'अंजु' एक गैंग लीडर की मां का रोल है। फिल्म में इस बात को बहुत खूबसूरती से दिखाया गया है। बातचीत के दौरान उन्होंने इशिता के साथ काम करने और उनके साथ अपने निजी रिश्ते में आए बदलाव के बारे में भी बात की।

इशिता के बारे में श्रिया ने क्या कहा

उन्होंने कहा, 'जब हमने 'दुश्मन' पर काम शुरू किया, तो हम दोनों सचमुच बच्चे ही थे। जब तक हमने 'दुश्मन 2' की शूटिंग की, तब तक उसकी शादी हो चुकी थी। मुझे याद है कि हम जिंदगी के बारे में बात करते थे। तीसरी फिल्म तक, हम बच्चों के बारे में बात कर रहे थे।' उन्होंने अपनी को-स्टार को एक 'बेहतरीन मां' भी बताया।



जल्द ही ब्यूटी इंडस्ट्री में कदम रख सकती हैं जान्हवी कपूर

जान्हवी कपूर जल्द ही ब्यूटी इंडस्ट्री में कदम रख सकती हैं। एक्ट्रेस की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट के बाद उनके खुद का ब्यूटी ब्रांड लॉन्च करने की अटकलें तेज हो गई हैं। इस पोस्ट में जान्हवी मेकअप के साथ एक्सपेरिमेंट करती नजर आ रही हैं। साथ ही, उनके हाथों में कुछ ऐसे ब्यूटी प्रोडक्ट्स भी दिखाई दे रहे हैं, जिनके बारे में फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं आई है। जान्हवी की इस पोस्ट ने फैस और ब्यूटी लवर्स का ध्यान खींचा है। कई लोग कयास लगा रहे हैं कि क्या एक्ट्रेस अपना खुद का ब्यूटी ब्रांड लॉन्च करने की तैयारी कर रही हैं। हालांकि, अभी तक जान्हवी या उनकी टीम की ओर से इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन पोस्ट में जिस तरह से ब्यूटी प्रोडक्ट्स और मेकअप पर फोकस किया गया है, उसने इन अटकलों को और हवा दे दी है। दिलचस्प बात यह है कि यह चर्चा ऐसे समय में शुरू हुई है, जब जान्हवी कपूर हाल ही में पेरिस फैशन वीक में अपनी मौजूदगी को लेकर सुर्खियों में थीं। ग्लोबल फैशन मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने से लेकर फैशन और ब्यूटी की दुनिया में अपनी पहचान बनाने तक, जान्हवी लगातार सिनेमा से आगे अपनी मौजूदगी मजबूत कर रही हैं। अगर ये अटकलें सच साबित होती हैं, तो जान्हवी कपूर उन बॉलीवुड सितारों की सूची में शामिल हो जाएंगी, जिन्होंने ब्यूटी और पर्सनल केयर इंडस्ट्री में कदम रखा है।



विकास बहल की अगली फिल्म में दिखेंगे जिमी, मोना-सिद्धांत

जिमी शेरगिल, सिद्धांत चतुर्वेदी, मोना सिंह और अलिज्जह अगिलसोत्री स्टार विकास बहल की अगली फिल्म 1990 के दशक के ब्रिटेन में पंजाबी म्यूजिक के तेजी से उगलने की कहानी पर आधारित होगी।

ये फिल्म उस दौर को दिखाएगी, जब ब्रिटेन में रह रहे भारतीय मूल के युवाओं की एक पूरी पीढ़ी संगीत के जरिए अपनी पहचान और अपनी आवाज

तलाश रही थी। फिल्म की कहानी 1990 के दशक की शुरुआत में ब्रिटेन में रहे हैं। उस दौर में गैरेज, बैकरूम, पायरेट रेडियो स्टेशनों और अंडरग्राउंड गिफ्स से पंजाबी म्यूजिक का एक नया आंदोलन आकार ले रहा था। पंजाबी दोल और वेस्टर्न बेसलाइन के मेल से तैयार इस नई आवाज ने धीरे-धीरे म्यूजिक वाट्स तक जगह बनाई थी। यह सफ़ाई म्यूजिक इंडस्ट्री के उभार की कहानी नहीं, बल्कि अलग संस्कृतियों के बीच बड़े हो रहे युवाओं की भी कहानी है।

संयुक्त जिला कार्यालय परिसर के 100 मीटर दायरे में धरना, जुलूस, प्रदर्शन पर प्रतिबंध, धारा 163 लागू

आदेश 18 दिसंबर 2026 तक प्रभावशील, उल्लंघन पर बीएनएस की धारा 223 के तहत होगी कार्रवाई

नई दृष्टिविंदु / बेमेतरा

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री प्रीतिष्ठ ममगाई ने संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में शांति, विधि एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा के तहत प्रतिस्थापक आदेश जारी किया है। कलेक्टर ने आदेश में उल्लेख किया है कि संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में खाद्य शाखा, आदिवासी विकास, कृषि, आबकारी, खनिज सहित विभिन्न विभाग संघालित हैं, जहां प्रतिदिन दिव्यांगजन, वृद्धजन एवं महिलाओं सहित बड़ी संख्या में आम नागरिकों का आवागमन होता है। परिसर में जुलूस, धरना एवं प्रदर्शन से शासकीय कार्य प्रभावित होने के साथ ही आमजनों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

आदेश के प्रमुख बिंदु - बेमेतरा नगर स्थित संयुक्त जिला कार्यालय के 100 मीटर की परिधि

को प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया गया है। इस परिधि में जुलूस, धरना, आमसभा एवं प्रदर्शन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। द्यूटी पर तैनात पुलिस/सुरक्षाकर्मी को छोड़कर कोई भी व्यक्ति विस्फोटक, अस्त्र-शस्त्र, धातुरा हथियार लेकर नहीं खलेगा। (धार्मिक परंपरा की कुपाय पर छूट रहेगी) किसी भी प्रकार की सभा, रैली, जुलूस के आयोजन के पूर्व जिला दण्डाधिकारी कार्यालय से लिखित अनुमति लेना अनिवार्य होगा, जिसमें स्थान, दिनांक, समय का पूर्ण विवरण देना होगा। लाउडस्पीकर/ध्वनि विस्तारक यंत्र के उपयोग के लिए संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी से पूर्व अनुमति लेना होगा। कार्यालय परिसर के 100 मीटर के भीतर 05 से अधिक व्यक्ति एक साथ प्रवेश नहीं करेंगे।

यह आदेश सभी दलों, संगठनों, संघों तथा आम जनता पर 20 अक्टूबर से 18 दिसंबर 2026 तक प्रभावशील रहेगा। आदेश का उल्लंघन करने वालों

के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 (पूर्व धारा 188 भा.द.वि.) के अंतर्गत अभियोजन को कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश एकपक्षीय रूप से लोका शांति बनाए रखने हेतु तत्काल प्रभाव से जारी किया गया है।

18 पंचायतों में ग्राम सभा आयोजित कर मतदाता सूची का होगा वाचन

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में रित्त पंच-सरपंच पदों पर उप निर्वाचन 2026 के लिए फोटोयुक्त निर्वाचन नामावली का पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी किया गया है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी बेमेतरा द्वारा उप संचालक पंचायत को ग्राम सभा आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।

विन पंचायतों में उप निर्वाचन होगा
जनपद बेमेतरा - बंहरा (वाई 08), बेतर (वाई 12), तुमा (सरपंच), सुरहोली (वाई 09)



जनपद बेरला - खमारावाट (सरपंच व बार्ड 06), नेवारा (वाई 08), सुरजपुर (वाई 03), डेटमरी (वाई 04), देवरबीजा (वाई 10), घंटमारा (वाई 12), तारालीम (सरपंच), बोटेबोड (सरपंच)
जनपद नवागढ़ - धौराभाडा (वाई 19), नेऊर

नगर पंचायत मारो आम निर्वाचन 2026 - मतदाता जागरूकता के लिए "जागव वोटर, जाबो" कार्यक्रम

नगर पंचायत मारो आम निर्वाचन 2026 - मतदाता जागरूकता के लिए "जागव वोटर, जाबो" कार्यक्रम नगर पंचायत मारो के आम निर्वाचन 2026 के लिए फोटोयुक्त निर्वाचन नामावली पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी किया गया है। इसी क्रम में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री प्रीतिष्ठ ममगाई ने मतदाता जागरूकता अभियान जागव वोटर, जाबो कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार हेतु मनीष कुमार ठाकुर, मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर पंचायत मारो (मो. 9893414820) को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। आदेशानुसार नोडल अधिकारी द्वारा राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नगर पंचायत क्षेत्र में मतदाता जागरूकता से संबंधित विविध कार्यक्रम, रैली, दीवार लेखन, वगैरह आदि आयोजित कर उसकी फोटोग्राफ्स जिला निर्वाचन कार्यालय एवं आयोग को प्रेषित करेगा।

(वाई 03), संवलपुर (वाई 09)
जनपद साजा - तेंदुवा (वाई 11), दस (वाई 04) शामिल हैं।

कार्यक्रम के अनुसार - फोटोयुक्त निर्वाचन नामावली का पुनरीक्षण प्रकाशन 23 अक्टूबर 2026 को किया गया। दावा-आपत्तियां 30 अक्टूबर के बीच प्रचार की जाएगी। अंतिम प्रकाशन

30 नवंबर 2026 को होगा। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि 23 से 30 अक्टूबर 2026 के बीच उपरोक्त सभी 18 ग्राम पंचायतों में अनिवार्य रूप से ग्राम सभा आयोजित कर मतदाता सूची का सार्वजनिक वाचन कराया जाए, उसकी शुद्धता की गहन जांच की जाए और निर्वाचक नामावली को त्रुटिरहित बनाया जाए।

मतदाता सूची पुनरीक्षण की तैयारियों को लेकर कलेक्टर तनुजा सलाम ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की ली बैठक



नई दृष्टिविंदु / मोहला

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार अर्थात् विधि। 1 जनवरी 2027 के संदर्भ में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की घोषणा की गई है। इसी क्रम में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती तनुजा सलाम ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक लेकर पुनरीक्षण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शी, व्यवस्थित एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए सभी संबंधितों से सहयोग की अपेक्षा की।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, पुनरीक्षण कार्यक्रम की घोषणा 15 अक्टूबर 2026 की गई है। मतदाता केंद्रों का युक्तियुक्तकरण एवं पुनर्गठन की प्रक्रिया 2 नवंबर 2026 तक पूर्ण की जाएगी। इसके बाद 12 नवंबर 2026 को मतदाता सूची का प्रारंभ प्रकाशन किया जाएगा। इसी क्रम में मतदाता सूची के प्रकाशन के साथ ही दावा-आपत्ति प्रस्तुत करने की मिनटालाई बढ़ेगी, जो 11 दिसंबर 2026 तक चलेगी। प्रादा दावा-आपत्तियों का निराकरण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा। सभी

प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

खास खबर

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की पहल से कबीरधाम में सबसे ज्यादा 48 नई समितियों का किया गया गठन

नई दृष्टिविंदु / कबीरधाम

कबीरधाम में 37 नए धान खरीदी केंद्र भी खुले, किसानों को घर के नजदीक धान बेचने की मिलेगी सुविधा



कबीरधाम। किसानों को धान बेचने के लिए दूर न जाना पड़े और उन्हें अपने क्षेत्र में ही खरीदी की सुविधा मिले, इसके लिए कबीरधाम जिले में सहकारी समितियों का विस्तार किया गया है। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा की पहल से कबीरधाम जिले में प्रदेश में सर्वाधिक 48 नई सहकारी समितियों का गठन किया गया है। इसके साथ ही 37 नए धान उपार्जन केंद्र भी खुले गए हैं। खरीद विभाग नवंबर 2026-27 के लिए प्रदेश में कुल 525 नई सहकारी समितियों गठित की गई हैं, जिनमें सबसे अधिक 48 समितियां कबीरधाम जिले में हैं।

नई समितियों और खरीदी केंद्रों से किसानों को धान बेचने के लिए नजदीकी सुविधा मिलेगी। इससे दूर के केंद्रों तक जाने वाले जोरों में लगने वाले समय और परिवहन खर्च में कमी आएगी। जिले में धान खरीदी व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए प्रशासन ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने खरीद विभाग नवंबर 2026-27 के अंतर्गत धान खरीदी कार्य के सुचारु, व्यवस्थित एवं पारदर्शीकरण के संदर्भ में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने धान खरीदी की तैयारियों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने तथा किसानों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

गांवों की सूची पढ़कर सुनाई गई

धान खरीदी व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए जिले के सभी 145 पुराने एवं नवीन सहकारी समितियों तथा धान उपार्जन केंद्रों में गांवों के संलग्नीकरण से संबंधित गैरिंग आदेश का वाचन आज गांवों में किया गया। इस दौरान संबंधित गांवों के सरपंच, पंचायत, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं किसानों की उपस्थिति में सूची का वाचन किया गया। वाचन प्रक्रिया के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि समितियों एवं उपार्जन केंद्रों में गांवों का संलग्नीकरण किसानों की सुविधा के अनुरूप एवं वैधानिक है। जिले में नवीन समितियों के गठन एवं नए धान उपार्जन केंद्रों की स्थापना से किसानों को स्थानीय स्तर पर धान विक्रय की सुविधा उपलब्ध करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है।

टेडेसरा से पटेवा मार्ग चौड़ीकरण के लिए भूमि संबंधी प्रतिबंध शिथिल

नई दृष्टिविंदु / राजनांदगांव



कलेक्टर जितेंद्र यादव द्वारा लोक निर्माण विभाग सहायक राजनांदगांव से प्राप्त प्रस्ताव के आधार पर राजनांदगांव

विकासखंड अंतर्गत टेडेसरा से मुडीपार-घुमका-कलढौरा-पटेवा मार्ग के चौड़ीकरण एवं निर्माण कार्य से प्रभावित ग्रामों की भूमि के अंतरण, बटाकन, व्यवहन तथा क्रय-विक्रय पर लागू गए प्रतिबंध को शिथिल कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि बजट में शामिल टेडेसरा से मुडीपार-घुमका-कलढौरा-पटेवा मार्ग के चौड़ीकरण एवं निर्माण कार्य के लिए ग्राम टेडेसरा, फुलझार, नरगांव, मुडीपार, बंवेरा, परसबोड, कलढौरा, बरवसपुर, हरडुवा, घुमका, दार पटेवा एवं गणकटोरा की भूमि के अंतरण, बटाकन, व्यवहन तथा क्रय-विक्रय पर प्रतिबंध लगाया गया था। प्राप्त प्रस्ताव के अनुसार संबंधित भूमि पर किसी अन्य परियोजना के तहत प्रतिबंध लगा नहीं होने की स्थिति में उक्त प्रतिबंध को शिथिल करने का निर्णय लिया गया है।

मांस विक्रय के लिए निर्धारित स्थल की मांग पर सर्वसम्मति हुए एकजुट, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

विभिन्न समाजों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधि अग्रसेन भवन में एकत्र होकर निकाला जुलूस

नई दृष्टिविंदु / राजनांदगांव

शहर के विभिन्न बाजारों, चौक-चौराहों एवं आवासीय क्षेत्रों में संचालित दुकानें, मटन, बिरयानी, अंडे विक्रय की दुकानों को निर्धारित स्थल पर स्थानांतरित करने तथा खुले में मांस काटने और विक्रय पर रोक लगाने की मांग को लेकर गुरुवार को सर्वसमाज के प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर जुलूस निकाला और प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपा। विभिन्न समाजों और सामाजिक संस्थाओं की सहभागिता से हुई इस पहल में शहर की स्वच्छता, सार्वजनिक व्यवस्था, धार्मिक भावनाओं और सामाजिक सीधार्द से जुड़े विषयों पर ठोस कार्रवाई की मांग की गई। गुरुवार सुबह 10 बजे विभिन्न समाजों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधि अग्रसेन भवन में एकत्रित हुए। यहां से सभी प्रतिनिधि जुलूस के रूप में निकले। जुलूस में चौक, भगत माता चौक, आज्ञा चौक, मास्कावा चौक, जलस्तंभ चौक और महावीर चौक होते हुए नगर निगम पहुंचा। यहां महापौर मधुसूदन यादव एवं निगम आयुक्त जी.एस. मरकाम को ज्ञापन सौंपा गया।

इसके बाद प्रतिनिधिबंडल जिला कार्यालय पहुंचा, जहां कलेक्टर जितेंद्र यादव को ज्ञापन दिया गया। तत्पश्चात जिला पुलिस अधीक्षक अंडीता शर्मा को ज्ञापन सौंपा गया। सांसद संतोष भंडाया की अनुपस्थिति में उनके चौपति प्रतिनिधि हरिश शर्मा एवं रूपचंद मीनानी को सांसद कार्यालय में ज्ञापन दिया गया। वहीं, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के नाम का ज्ञापन उक्त प्रतिनिधि संयोग अग्रवाल को सौंपा गया।

बैठक में शामिल विभिन्न समाजों एवं संस्थाओं ने अपने-अपने लेटरबंद पर भी ज्ञापन प्रस्तुत कर मांग के प्रति अपनाने समर्थन व्यक्त किया। इन सभी ज्ञापनों को सर्वसमाज के मुख्य ज्ञापन के साथ समेकित कर एक संयुक्त फासले के रूप में अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को सौंपा गया। इससे इस मांग के प्रति विभिन्न समाजों और



संस्थाओं की सामूहिक सहभागिता सामने आई। इसमें सकल जैन श्री संघ, अग्रवाल समाज, खंडेलवाल समाज, पटेल समाज, लोहाणा गुरातोरी समाज, सिन्हा समाज, यादव समाज, उदयचल संस्था, गार्गी परिवार संस्था, लायंस क्लब, चैबर और कॉमर्स, माहेश्वरी समाज, साहू समाज, भारवाडी गीण बाह्यण समाज, सदान संघ महासभा महिला मंडल तथा सनातन धर्म महासभा सेवा परिवार सहित अन्य प्रतिनिधियों की सहभागिता रही।

शहर में निर्धारित मांस, अंडा विक्रय क्षेत्र विकसित करने की मांग

ज्ञापन में कहा गया कि संस्कारधानी राजनांदगांव अपनी धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक पहचान के लिए विशिष्ट स्थान रखता है। शहर के विभिन्न बाजारों एवं आवासीय क्षेत्रों में मांस, बिरयानी, अंडा विक्रय और मांसहार परसेने वाली दुकानों, टेडो के संचालन से नागरिकों को नुकसान हो रहा है। संघों में लंबे समय से चिंता व्यक्त की जाती रही है।

ज्ञापन में गोल बाजार, फ्लाईअसिड रो के नीचे, नगर निगम के सामने, कॉरिडोरबाटा रोड के ग्रीन हाटस्ट्र सेक के आसपास, न्यूनिगल स्कूल के सामने, नए बस स्टैंड एवं उसके आसपास, हाट बाजार तथा गंज चौक के नई रोड सहित अन्य क्षेत्रों में संचालित मांस विक्रय की दुकानों और

टेडो का उल्लेख किया गया। मांग की गई कि इन दुकानों को किसी एक निर्धारित एवं उपयुक्त स्थल पर स्थानांतरित करने के लिए नगर निगम आवश्यक आधारभूत सुविधाओं से युक्त पृथक मांस / अंडे विक्रय क्षेत्र विकसित करें। साथ ही सांसद, विधानसभा, अंडा विक्रय और मांसहार परसेने वाली दुकानों, टेडो के संचालन से नागरिकों को नुकसान हो रहा है। संघों में लंबे समय से चिंता व्यक्त की जाती रही है।

ज्ञापन में कहा गया कि संस्कारधानी राजनांदगांव अपनी धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक पहचान के लिए विशिष्ट स्थान रखता है। शहर के विभिन्न बाजारों एवं आवासीय क्षेत्रों में मांस, बिरयानी, अंडा विक्रय और मांसहार परसेने वाली दुकानों, टेडो के संचालन से नागरिकों को नुकसान हो रहा है। संघों में लंबे समय से चिंता व्यक्त की जाती रही है।

एक वर्ष के भीतर जिले में बड़ी संख्या में पात्र हितग्राहियों को वितरित किए सहायक उपकरण

नई दृष्टिविंदु / राजनांदगांव

समाज कल्याण विभाग द्वारा राजनांदगांव के सामर्थ्य शासकीय बौद्धिक मंदता वाले बालक-बालिकाओं के विषय विद्यालय परिसर में पात्र दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर के माध्यम से 280 से अधिक हितग्राहियों को 30 लाख रुपये से अधिक मूल्य के जीवन सहायक उपकरण प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद महापौर मधुसूदन यादव ने उपकरण प्राप्त करने वाले सभी दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जीवन सहायक उपकरण दिव्यांगों और बुजुर्गों के जीवन को सुगम बनाने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। महापौर ने संतोष जताते हुए कहा



कि बीते एक वर्ष के भीतर जिले में बड़ी संख्या में पात्र हितग्राहियों को सहायक उपकरण वितरित किए गए हैं, जो जरूरतमंदों का जीवन स्तर सुधारने की दिशा में एक बड़ा कदम है। कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष

श्रीमती किरण वैष्णव ने भी संबोधित किया।
सीएसआर मद से आयोजित हुए मूल्यांकन शिविर
उप संचालक समाज कल्याण श्रीमती

मद के तहत जिले के सभी विकासखंडों, नगर पंचायतों और नगरीय निकायों में पहले मूल्यांकन शिविर लगाए गए थे। इन शिविरों के आधार पर ही पात्र हितग्राहियों और बुजुर्गों का चयन कर उन्हें सामग्री वितरित की गई है।

उन्होंने बताया कि बीते 1 वर्ष में आयोजित विभिन्न शिविरों के माध्यम से जिले में लगभग 1.5 करोड़ रुपये के सहायक उपकरण हितग्राहियों को बांटे जा चुके हैं। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती शीला सिन्हा, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती देवकुमारी साहू, पार्षद शिव मय, पार्षद शैली बाग्गा, समाजसेवी गौतम पारख, हेमंत तिवारी, प्रकाश साखला, एलिसको के राज्य समन्वयक, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित रहे।

जानकारी ICAR&NBSM व कृषि विज्ञान केंद्र के समन्वय से आयोजित कार्यक्रम, फसल विविधीकरण और टिकाऊ कृषि पर दिया जोर

ग्राम बगौद, जिला बेमेतरा में खेत बचाओ अभियान का हुआ शुभारंभ

नई दृष्टिविंदु / बेमेतरा

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषदराष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान (ICAR&NBSM), रायपुर द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र (KVK), बेमेतरा के समन्वय से आज ग्राम बगौद, जिला बेमेतरा, में खेत बचाओ अभियान (Khet Bachao Abhiyaan) का शुभारंभ किया गया। अभियान का उद्देश्य किसानों को फसलों में कीटों, रोगों एवं अन्य जैविक तनावों से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करना, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करना तथा वैज्ञानिक एवं टिकाऊ कृषि प्रणालियों को खेत स्तर तक पहुंचाना है। कार्यक्रम में ICAR&NBSM के संयुक्त निदेशक एवं अभियान के



नोडल अधिकारी डॉ. पंकज शर्मा, डॉ. एस. के. जैन, डॉ. के. सी. शर्मा, डॉ. अजय माली तथा कृषि विज्ञान केंद्र, बेमेतरा के डॉ. लव कुमार उपस्थित रहे। वैज्ञानिकों ने किसानों से संवाद कर उनकी कृषि संबंधी समस्याओं पर चर्चा की और फसल सुरक्षा के व्यावहारिक उपाय बताए।

इस अवसर पर डॉ. पंकज शर्मा ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि खेत बचाओ अभियान का प्रमुख उद्देश किसानों को जैविक तनावों से सुरक्षित रखने के साथ-साथ कृषि को अधिक लाभकारी, टिकाऊ और जलवायु-अनुकूल बनाना है। उन्होंने किसानों को फसल

विविधीकरण अपनाने, उपयुक्त वैकल्पिक फसलों को शामिल करने, फसल चक्र अपनाने तथा कीटों एवं रोगों की समय पर पहचान कर समन्वित प्रबंधन करने की सलाह दी। उन्होंने किसानों को उपलब्ध कृषि तकनीकों का उपयोग कर उत्पादन एवं लाभप्रदता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।

जिला स्तरीय युवा उत्सव 27 से 31 अक्टूबर तक होगा आयोजित, युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मिलेगा सुनहरा अवसर

नई दृष्टिविंदु / मोहला

युवाओं में रचनात्मकता, सांस्कृतिक प्रतिभा और राष्ट्रीय एकता को भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिला मोहला-मानपुर-अंबावाड़ चौकी में जिला स्तरीय युवा उत्सव 2026-27 का आयोजन किया जाएगा। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित इस उत्सव में युवाओं को अपनी कला, सांस्कृतिक और प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित विजेता प्रतिभा राज्य स्तरीय युवा उत्सव में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

युवा उत्सव का आयोजन 28 अक्टूबर 2026 समय प्रातः 11 बजे से स्थान मिनी स्टेडियम मोहला में एक दिवसीय कार्यक्रम के रूप में किया जाएगा। उत्सव का मुख्य उद्देश्य युवाओं के बीच आपसी समन्वय, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सामाजिक एकता को भावना को मजबूत करना है। इसके अंतर्गत विकसित

भारत चैलेंजर ट्रैक, लोक नृत्य, कलागीत, चित्रकला, कविता लेखन, नुकक-डान्स, क्रिएटिव युथ रील चैलेंजर और पारंपरिक वेशभूषा सहित विभिन्न विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।

जिला स्तरीय युवा उत्सव में प्रत्येक जिले से निर्धारित विधा-निर्देशों के अनुसार प्रतिभाएं एवं दल शामिल होंगे। प्रतियोगिताओं में उद्भूत प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का चयन निर्णायक मंडल द्वारा किया जाएगा। विजेता विधा में विजेताओं के चयन के लिए मूल्यांकन तैयार विधियों को निर्णायक के रूप में नामांकित किया जाएगा। विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र, स्मृति चिह्न एवं पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। युवा उत्सव में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा प्रतिभागी हिस्सा ले सकेंगे, जबकि संततकारों के लिए आयु सीमा 18 से 40 वर्ष निर्धारित है। आयोजन का व्यवस्था प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक युवाओं को सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही जनप्रतिनिधियों, स्थानीय प्रभावशाली व्यक्तियों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति भी सुनिश्चित की जाएगी।

सुपेला गदा चौक शराब भट्टी हटाने की मांग को लेकर जनहित संघर्ष समिति ने भिलाई नगर निगम आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जनहित संघर्ष समिति के संरक्षक कन्हैया सोनी के नेतृत्व में आज भिलाई नगर निगम कमिश्नर अति सिंह की सुपेला गदा चौक स्थित शराब दुकान हटाने हेतु ज्ञापन सौंपा गया। कमिश्नर ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि शराब दुकान हटाने की प्रक्रिया जारी है और शीघ्र ही इसे हटाया जाएगा। इस आश्वासन पर जनहित संघर्ष समिति ने कमिश्नर महोदय का आभार व्यक्त किया।

ज्ञाता हो कि इस शराब दुकान को हटाने के लिए विगत 5 वर्षों से मदन सेन, पारस जंचेल शारदा गुप्ता के नेतृत्व में लगातार आंदोलन किया जा रहा था। जिसमें मुख्यमंत्री आवास घेराव, धरना-प्रदर्शन, महाल जुलूस जैसे कार्यक्रमों में सैकड़ों लोगों ने भाग लेकर अपना आक्रोश व्यक्त किया था। सुपेला गदा चौक देशी शराब दुकान हटाने के लिए युवा शक्ति संगठन के अध्यक्ष मदन सेन के नेतृत्व में लगातार धरना दिया गया मदन सेन ने कहा कि इतने लंबे समय से शराब दुकान हटाए जाने की मांग जनता द्वारा की जा रही है जिसके परिणामस्वरूप अंग्रेजी शराब दुकान को हटाया गया मगर अंग्रेजी शराब की देशी शराब दुकान में बेची जा रही है जिससे यहां पर और भीड़ बढ़ चुकी है जिससे आम जनमानस में आक्रोश है। युवा शक्ति संगठन कि मांगों को अनुसूची किया जाना समझ से परे है आम जनमानस की भावनाओं का ध्यान रखते हुए शराब दुकान शीघ्र से शीघ्र हटाया जाना चाहिए।

विवाद हो कि युवा शक्ति संगठन के निरंतर आंदोलन धरना प्रदर्शन व सभी जनप्रतिनिधियों कलेक्टर निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपा जा चुका है जिसके परिणामस्वरूप अंग्रेजी शराब दुकान को हटाया गया मगर देशी शराब दुकान को न हटाए जाने से आम जनमानस में आक्रोश है। युवा शक्ति संगठन के अध्यक्ष मदन सेन



शारदा गुप्ता पारस जंचेल ने कहा कि शराब दुकान ऐसे जगह स्थानांतरित की जाए जहां किसी भी आम लोगों को तकलीफ का सामना न करना पड़े। संयोजक शारदा गुप्ता ने कहा कि हम सभी आंदोलन करते-करते आम जनमानस में निराशा की भावना पैदा हो चुकी है समिति से जुड़े लोगों आम जनमानस से आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है जिसे बहुत लंबे समय तक बदोशत नहीं किया जा सकता।

अध्यक्ष मदन सेन ने कहा अभी तक हमने महाल जुलूस धरना प्रदर्शन एवं मुख्यमंत्री आवास का घेराव हेतु पदयात्रा तक की जा चुकी है जहां हम सभी को गिरफ्तार कर जेल भेजने की तैयारी भी की जा चुकी थी। इसके बावजूद लगातार केवल आश्वासन ही मिलता है हम 2021 से शराब दुकान हटाने के लिए निरंतर ज्ञापन आंदोलन कर रहे हैं पहले सुपेला शराब दुकान हटाने 4000

लोगों ने हस्ताक्षर किया था जिसमें लोगों ने स्वयं आगे होकर पंडाल में आकर हस्ताक्षर कर शराब दुकान हटाने की मांग की थी। अध्यक्ष मदन सेन ने मांग की है कि ज्ञापन के समस्त डेरियों को इकट्ठा कर गोकुलधाम बनाया जा सकता है इसी तर्ज पर सभी शराब दुकानों को एक जगह इकट्ठा कर मंडीपारा बनाया जाए जहां समस्त सुविधाएं पैंने लगीं दी जाए जिससे हर जगह शांति व्याप्त हो सके। शराबी वही पीए हैं और वही सोए। मुख्य चौराहे पर शराब दुकान होने के कारण अवस्थाओं का अंवार है।

सुपेला के निवासी जो उक्त शराब दुकान के आसपास में निवास करते हैं और व्यापारी गण कई बार शिकायत कर चुके हैं सुपेला चौक से गदा चौक जाने वाला सड़क व्यवस्था मार्ग है वह सड़क मुख्य मार्ग होने के कारण कोकला स्मृति नगर शांति नगर वैशाली नगर के हजारों लोगों को आवागमन निरंतर इस मार्ग से होता है इसके

अलावा क्षेत्र से अनेक कॉलेज हॉस्पिटल छात्र-छात्राओं का आना-जाना निरंतर लगा रहता है इस रोड पर आए दिन निरंतर दुर्घटना होती रहती है स्कूल के छोटे-छोटे बच्चे इस रूट से आवागमन करते हैं और हमेशा अप्रिय स्थिति का सामना करते हैं शराबी शराब पीकर शराब गली गली करते हैं रोड पर ही शराब पीकर शराब के डिस्पोजल फेंक देते हैं यहां से एंबुलेंस फायर विकेट का निकलना विपरीत परिस्थितियों में मुश्किल होगा शराब दुकान के आसपास सड़क तक शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है यहां पर आने वाली महिलाएं एवं बच्चे इस रोड से आज आने जाने में शर्मिंदगी महसूस करते हैं अगर निरंतर भविष्य में प्रशासन इस शराब दुकान को नहीं हटाता तो इसके लिए एक बड़ा जन आंदोलन फिर खड़ा किया जाएगा।

युवा शक्ति संगठन ने शीघ्र से शीघ्र शराब दुकान हटाने की मांग की है। मांग करने वाले में प्रमुख रूप से अध्यक्ष मदन सेन शारदा गुप्ता, पारस जंचेल जुनेब खान, पूर्व पार्षद राजेश प्रधान पूर्व पार्षद दीपक भांडवकर अमिताभ भट्टाचार्य नीपु पांडे वेंदी नाहर सुनील शर्मा भारती वेन पिंकु तिवारी, प्रदीप पांडे धनेश्वर चौहान, टिंकू प्रशांत शीरसागर मणि वर्मा, रमेश देसमुख अजय प्रसाद नारायण सोनी जहांगीर हुसैन योगेश यादव श्रेया साह मुकेश नेताम माला ठाकुर बबलू तांडी गंगा प्रसाद मंडावी वंशराज चौधरी दिनेश चंद सुंदर जायसवाल मूलचंद जायसवाल भीमसेन राय लोकेश वंशोर टिकेश्वर साह रुक्माला वमा गंगाबाई मालती रेशम लता साहू कोशल्या कविता मेथ्रा इंदु मेथ्रा सेवती देवी हैं।

ज्ञापन सौंपने वालों में जनहित संघर्ष समिति के संरक्षक कन्हैया सोनी, बंटी नाहर राजेश केसरवानी, विनोद उपाध्याय, निशु पांडे सहित प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।

त्योहारी सीजन में दुर्ग-भिलाई में यातायात पुलिस सख्त, नो-पार्किंग में खड़े वाहनों पर क्रेन की कार्रवाई



दुकानदार भी अपनी दुकानों के सामने अनधिकृत पार्किंग को प्रोत्साहित न करें

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

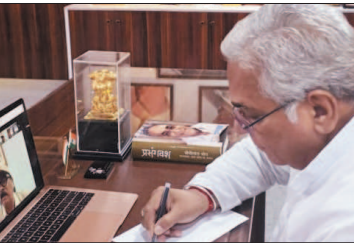
त्योहारी सीजन में बाजारों में बढ़ती भीड़ और यातायात दबाव को देखते हुए यातायात पुलिस दुर्ग में विशेष अभियान शुरू किया है। पुलिस उप महानिरीक्षक / वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के निर्देश पर शहर के प्रमुख बाजारों में नो-पार्किंग के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है।

अभियान के तहत दुर्ग के इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, ग्रीन चौक तथा भिलाई के पारव हाउस मार्केट एवं जवाहर मार्केट सुपेला में बेतरतीब खड़े वाहनों को क्रेन से उठाकर यातायात कार्यालय तक लगातार जारी रहेगी।

लाया गया। यातायात पुलिस द्वारा दख सिस्टम से दुकानदारों और वाहन चालकों को लगातार जागरूक किया जा रहा है कि वे अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करें। सड़क किनारे बेतरतीब पार्किंग से जाम की स्थिति बनती है और आम नागरिकों को आवागमन में भारी परेशानी होती है।

यातायात पुलिस दुर्ग ने नागरिकों से अपील की है कि त्योहारी खरीदारी के दौरान अपने वाहन निर्धारित पार्किंग में ही खड़े करें। सड़क, मुख्य मार्ग, चौराहों एवं नो-पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़ा कर यातायात बाधित न करें। दुकानदार भी अपनी दुकानों के सामने अनधिकृत पार्किंग को प्रोत्साहित न करें। यातायात पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई त्योहार तक लगातार जारी रहेगी।

'वोट चोर, गद्दी छोड़' नारे के साथ कांग्रेस की राष्ट्रव्यापी मुहिम हुई तेज, बैठक में शामिल हुए अरुण वीरा



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी अभियान को कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत गुवाहाटी को छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी एवं सचिव सुखदेव भागत की अध्यक्षता में प्रदेश कांग्रेस की ऑनलाइन बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश

अध्यक्ष, पदाधिकारी, सह-प्रभारी, विधायक एवं पूर्व विधायकों ने हिस्सा लिया।

बैठक में आगामी 1 नवंबर को दिल्ली में वोट चोरी के मुद्दे पर होने वाले सम्मेलन की तैयारियों पर चर्चा की गई। सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ नेता, एआईसीसी और पीसीसी

ऑक्टोबर सहित देश भर से बड़ी संख्या में कांग्रेसजन शामिल होंगे। बैठक में दुर्ग शहर के पूर्व विधायक अरुण वीरा भी शामिल हुए। एआईसीसी द्वारा उन्हें 'वोट चोराओ, देश बचाओ' अभियान के तहत रायपुर शहर का प्रभारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने प्रभार क्षेत्र की जाकारी साझा कर अभियान की आगामी गतिविधियों पर चर्चा की।

अभियान के तहत 25 अक्टूबर को रायपुर के राजीव भवन में सुबह 11 बजे एआईसीसी ऑक्टोबर एवं महाराष्ट्र सांसद डॉ. शोभा बच्छवत को राष्ट्रपति संकेत करेंगे। इसके बाद रायपुर शहर और रायपुर ग्रामीण क्षेत्रों में पदाधिकारियों की अलग-अलग संगठन बैठकें होंगी, जिसमें अभियान की रूपरेखा तय की जाएगी। बैठक में रायपुर शहर प्रभारी अरुण वीरा भी मौजूद रहेंगे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने ली अपराधिक समीक्षा बैठक

नई दृष्टिबिंदु / मुंगेली

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल (भा.पु.से.) ने जिला मुंगेली के समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना-चौकी प्रभारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवनील कौर खन्ना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत शुक्ला, डीएसपी हरविंदर सिंह सहित जिले के सभी थाना-चौकी प्रभारी उपस्थित रहे।

बैठक में एसएसपी ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने लंबित समन-वार्ंट की तामीली सुनिश्चित करने, निगरानी व गुंडा-बंदमशाओं की निगरानी, जिला बदर और अतिरिक्त से अधिक प्रतिबंधात्मक कार्रवाई का बाउंड ओवर की प्रक्रिया पूर्ण करने पर जोर दिया।

एसएसपी ने गुप्त बालक-बालिकाओं की तलाश को प्राथमिकता देने, महिला एवं



अधिकारियों को लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण का दिया निर्देश

बच्चों से संबंधित मामलों में तत्काल एफआईआर दर्ज करने तथा ऑनलाइन टांगी के मामलों में निष्प्रमाणिक एफआईआर कर समय-समय में निराकरण के निर्देश दिए। शहर टांगी की समीक्षा करते हुए उन्होंने पीड़ितों से समन्वय कर होल्ड राशि वापस दिलाने के लिए एमआरएम पोर्टल के

माध्यम से कार्यवाही करने और विवेचना में लंबित ई-साक्ष्यों को त्वरित निराकरण करने को कहा। एसएसपी ने स्पष्ट किया कि ड्यूटी और विवेचना में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन कर

अपराध नियंत्रण और पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाएं। बैठक में एडीपीओ जायिता सिंह द्वारा लीन आपराधिक कानूनों भारतीय न्याय संहिता (बीएनएच) एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के प्रावधानों और विवेचना प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

पत्नी को नदी में धकेल कर की हत्या, बसंतपुर पुलिस ने पति को किया गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

थाना बसंतपुर पुलिस ने पत्नी की हत्या के आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी ने छोटे-छोटे बातों पर झगड़े से तंग आकर पत्नी को मोहरा नदी में धकेल देकर हत्या कर दी।

पुलिस के अनुसार आरोपी मधु मेथ्रा उर्फ रिंकू (29) निवासी स्टेशन पार्क, चौकी चिखली, थाना कोतवाली ने 21 अक्टूबर की शाम 7 बजे अपनी पत्नी नीलम को घुमाने के बहाने मोहरा नदी के छोटे पुलिया के पास ले गया। वहां फिर विवाद होने पर यह जानते हुए भी कि पत्नी को तैरना नहीं आता, हत्या की निपट से उसे नदी में धकेल दिया, जिससे डूबने से उसकी मौत हो गई।

घटना के बाद आरोपी स्वयं मृतका के भाई के पास पहुंचा और वादत की जानकारी दी। परिजन की रिपोर्ट पर थाना बसंतपुर में अपराध क्रमांक 501/26 थाना 103/1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।



वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना देकर पुलिस अधीक्षक अंकित शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौतन राठौर और नगर पुलिस अधीक्षक एस.पी. तिवारी के दिशा-निर्देशन में थाना प्रभारी कोलेश खंडान के नेतृत्व में टीम गठित कर 22 अक्टूबर को आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ा गया। पृष्ठताल में आरोपी ने जर्म

स्वीकार किया। न्यायालय में पेश कर जेल वार्ंट प्राप्त कर उसे जिला जेल राजनांदगांव में दाखिल किया गया। कार्रवाई में उनि इब्राहिम खान, सजिन जीवराज रावटे, प्रभार दीपक जायसवाल, आश्वक फगु साहू, दिलेश्वर गोड़, रूपेन्द्र वर्मा, राजेश बदेश्वर की सराहनीय भूमिका रही।

सड़क हादसा, आर्मी जवान की मौत, 6 लोग घायल

कोडगांव। जिले के फरसगढ़ थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात गड्ढा गलना मोड़ के पास तेज रफ्तार वाले रेंज रोवर होकर पेड़ से टकरा गई। दुर्घटना में भारतीय सेना के जवान सुंदरलाल नेताम की मौत हो गई, जबकि अन्य जवान मनीष नेताम गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में वाहन सवार चार अन्य लोगों की भी मौत आई है। प्राज्ञ जानकारी के अनुसार बोलियों में सात लोग सवार होकर पड़े आटगांव में आयोजित कार्यक्रम देखने जा रहे थे। शुक्रवार रात करीब 10 बजे वाहन गड्ढा गलना मोड़ पर पहुंचा, तभी चालक का नियंत्रण बिगड़ गया और बोलियों सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य और पुलिस मौके पर पहुंचे। सभी घायलों को तत्काल फरसगढ़ अस्पताल पहुंचाया गया। आर्मी जवान सुंदरलाल नेताम की मौत हादसे में प्राज्ञ पत्नी निवासी सुंदरलाल नेताम, पिता सुबेला नेताम की मौत हो गई।

4 दिन तक सफाई बंद, ठेकेदार पर 10 हजार का जुर्माना

रायपुर। राजधानी में सफाई व्यवस्था में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदार के खिलाफ नगर निगम ने सख्त कार्रवाई की है। जोन-9 के अंतर्गत वाई क्रमांक 8 स्थित खालबाड़ा बीएसयूपी क्षेत्र में लगातार चार दिनों तक सफाई कार्य बंद रखने पर ठेकेदार मेसर्स नवाज इंटरप्राइजेस पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही कारण बताओ नोटिस जारी कर लिखित स्पष्टीकरण मांगा गया है। नगर निगम के अनुसार, खालबाड़ा बीएसयूपी क्षेत्र में 20 से 23 अक्टूबर तक सफाई कार्य नहीं किया गया। ठेकेदार ने न तो काम बंद करने की पूर्व अनुमति ली और न ही निगम प्रशासन को इसकी जानकारी दी। इस लापरवाही के कारण क्षेत्र की सफाई व्यवस्था प्रभावित हुई। मामला सामने आने के बाद जोन-9 कमिश्नर हितेंद्र यादव ने ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए।

GOSWAMI

FLEX PRINTING

ADVERTIZER

मिलाई मैं सबसे सस्ता, सबसे अच्छा

- Hoardings • Flex Banner • Vinyl Printing
- One Way Vision • Glow Sign Board

93290-13334, 74711-15735

goswamiflex@gmail.com

Address: 3d Floor Shop No-1, Arora Tower, M.C. Market

अर्चना

पलाई ऐश ब्रिक्स

निर्माता एवं विक्रेता

हैवी इंडस्ट्रीयल एरिया, भिलाई

8 ईंच एवं 9 ईंच में उपलब्ध है।

संपर्क करें

9329960605, 9827160605, 9098639991

Baked by Suhani

Premium Homemade Cakes & Desserts

posts, message

Suhani Singh

Premium Homemade Cakes & Desserts

Serving Bhilai & Durg

DM for Order

Followed by _s_andeep

Follow Message

Order Now:

@baked.by.suhani

MO.6263734520